23 जून 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

एक साल के भीतर बिहार से बाहर मजदूरी करने वालों को देंगे रोजगार: प्रशांत किशोर

4

लालू यादव बिहार के गब्बर सिंह हैं, इसलिए लोगों को उनसे डर लगता रहेगा: सम्राट

- बोले उपमुख्यमंत्री- जैसे दीवार फिल्म में अमिताभ बच्चन के हाथ पर लिखा गया था मेरा बाप चोर है, वैसे ही तेजस्वी पर भी चारा चोर का बेटा होने का कलंक तो लगेगा ही

केटी न्यूज/पटना

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीम लालू यादव पर निशाना साधा है। सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि लालू यादव बिहार के गब्बर सिंह हैं। इसलिए जब तक वह जिंदा हैं, लोगों को उनसे डर लगता रहेगा। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जैसे दीवार फिल्म अमिताभ बच्चन के हाथ में लिखा गया था कि मेरा बाप चोर है। वैसे ही तेजस्वी पर भी चारा चोर का बेटा होने का कलंक तो लगेगा ही।

सम्राट चौधरी ने कहा, ये पाप तो उनके पिताजी ने किया है। लोगों में डर उन्होंने पैदा किया है। लालू यादव बिहार के गब्बर सिंह हैं। इसलिए लालू जी जबतक जिंदा हैं तो लोगों को डर लगेगा ही है। फिल्म दीवार में अमिताभ के हाथ में लिखा गया था कि मेरा बाप चोर है। यह कलंक तो लगेगा ही। बिहार के डिप्टी सीएम ने विकास योजनाओं को लेकर तेजस्वी यादव के सवाल उठाने पर पलटवार करते हुए कहा कि विकास कोई विरोधी दल खोजता हो तो उसे पटना एयरपोर्ट, गंगा पथ, पटना-बक्सर मार्ग और पटना-मुजफ्फरपुर मार्ग का विकास देखना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिहार को बनाने के लिए एक अवसर हमें मिलना चाहिए।

वहीं लालू परिवार पर हमला करते हुए कहा कि जिस घर में अपराधी हो। जिस घर में भ्रष्टाचारी हो और जिस परिवार ने बिहार को लूटा हो, वह सिर्फ बोल सकते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं है। वहीं, भीमराव अंबेडकर के कथित अपमान पर सम्राट चौधरी ने लालू यादव से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, इसे बेशर्मी कहें या अहंकार। 10 दिन हो गए बाबा साहब का अपमान किए लेकिन अहंकारी लालू-तेजस्वी अफसोस तक नहीं जता रहे। कान के कपाट खोल कर सुन लें आरजेडी के नेता, यह मुद्दा अब बिहार के दलित-पिछड़ा-वंचित समाज के आत्मसम्मान का बन चुका है। बिहार के दलितों-पिछड़ों-वंचितों की हकमारी कर केवल अपने परिवार की तिजोरी भरने वाले लालू प्रसाद खुद को बाबा साहब से भी बड़ा मान रहे हैं। अहंकार का घड़ा भर रहा है, इसका फूटना तय है। अहंकार टूटना तय है।

बता दें, 11 जून को लालू यादव का 78वां जन्मदिन था। इस मौके पर एक कार्यकर्ता उनको अंबेडकर की फोटो गिफ्ट करने आए थे। वह कार्यकर्ता उस तस्वीर को लालू के पैर के बराबर पर रखकर फोटो खिंचवाने लगा। इसी वीडियो को आधार बना बीजेपी और एनडीए के नेता लालू यादव पर बाबा साहब के अपमान का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि वीडियो में देखा जा सकता है कि लालू ने उस तस्वीर को न तो देखा और न ही हाथ लगाया था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए लालू प्रसाद आज करेंगे नामांकन

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने जब से अपने नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव किया है, तब से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चर्चा भी शुरू हो गई है। कयास लगाया जा रहा था कि बढ़ती उम्र और बीमार रहने के कारण लालू प्रसाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी छोड़ देंगे। लेकिन, ऐसा नहीं है। अब इन कयासों पर विराम लग गया है। राजद के वरिष्ठ नेता और प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दकी ने स्पष्ट कर दिया है कि लालू प्रसाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे। अभी वह पूरी तरह फिट हैं। इसलिए वह सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे। अब्दुल बारी सिद्दकी ने कहा कि लालू यादव ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहें, हमलोगों की यही कामना है। सबलोग यही चाहते हैं। कुछ लोग उनकी स्वास्थ्य की बात कह रहे हैं। लेकिन, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। काम अभी भी हो रहा है और आगे भी लालू यादव के दिशा निर्देश से पार्टी को मजबूती मिलते रहेगी। इधर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और लालू प्रसाद के करीबी जगदानंद सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दिए जाने के मामले पर उन्होंने कहा कि इस पर पार्टी फैसला लेगी। जगदानंद सिंह हम लोग के सुख दुख के साथी हैं। बता दें कि हाल में राजद ने पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। तेजस्वी यादव ने उनके प्रदेश अध्यक्ष की बधाई देते हुए तब लिखा था कि बिहार में किसी भी पार्टी द्वारा प्रथम बार अतिपिछड़ा वर्ग्ह से प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

खबरें फटाफट

विमान हादसे के 251 पीड़ितों की डीएनए परीक्षण के जरिए हुई पहचान

अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को हुए भीषण विमान हादसे के 251 पीड़ितों की अब तक डीएनए परीक्षण के जरिए पहचान की जा चुकी है, जिनमें से 245 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. राकेश जोशी ने बताया, हादसे में मारे गए 251 लोगों की पहचान डीएनए जांच से हो चुकी है। इनमें से 245 शवों को परिजनों को सौंपा गया हौ। जिनमें 176 भारतीय, 49 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली, 1 कनाडाई नागरिक और 12 गैर-यात्री शामिल हैं। डॉ. जोशी ने बताया कि 70 पीड़ित अहमदाबाद से, 24 वडोदरा से, 26 आनंद से और 11 खेड़ा जिले से थे। इसके अलावा राजस्थान, मणिपुर, नागालैंड, महाराष्ट्र, दीव और बिहार के पीड़ितों की भी पहचान की गई है। उन्होंने कहा, डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया बहुत संवेदनशील होती है और इसमें कानूनी प्रोटोकॉल शामिल होता है, इसलिए इसे गंभीरता और गति के साथ पूरा किया जा रहा है। फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, संबंधित संस्थान, स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियां इस कार्य में जुटी हैं।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में एनआईए के हाथ लगी सफलता

पहलगाम हमले के आतंकियों को पनाह देनेवाले दो लोगों को एनआईए ने पकड़ा

- गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों ने हमला से पहले आतंकवादियों को खाना-पीना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थी
- दोनों ने हमले से पहले बैसरन मैदान के बारे में भी आतंकवादियों को दी थी जानकारी

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के दो महीने बाद रविवार 22 जून को राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हमला पाकिस्तानी आतंकवादी ग्रुप लश्कर-ए-तैयबा ने ही कराया था। एनआईए की पूछताछ इन्होंने खुलासा किया है कि हमला करने वाले आतंकवादी तीन थे। इस हमले में 26 बेगुनाह मारे गए थे और 16 अन्य घायल हुए थे।

एनआईए अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पहलगाम के बटकोट का रहने वाला परवेज अहमद जोधर और पहलगाम के हिल पार्क का रहने वाला बशीर अहमद जोथर के रूप में हुई है। दोनों पहलगाम के रहने वाले हैं। दोनों ने हमला करने से पहले आतंकवादियों को खाना-पीना और अन्य लोजिस्टिक मुहैया कराई थी। दोनों ने हमले से पहले बैसरन मैदान के बारे में भी आतंकवादियों को जानकारी दी थी कि वहां जम्मू-कश्मीर पुलिस या सीआरपीएफ की सिक्योरिटी नहीं है। आतंकवादियों ने इन्हें अपने ग्रुप में शामिल करते हुए इनसे मदद मांगी। दोनों ने एनआईए को शुरूआती पूछताछ में बताया है कि हमला करने में तीन आतंकवादी शामिल थे। तीनों पाकिस्तान के नागरिक थे और आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मेंबर थे। एनआईए का कहना है कि गिरफ्तार दोनों आरोपी फरार आतंकवादियों के लोकल सपोर्टर हैं। जिन्होंने आतंकवादियों को बैसरन मैदान में बेगुनाह 26 लोगों की हत्या करने से पहले इन्हें अपने यहां शरण दी थी।

एनआईए की जांच के अनुसार परवेज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में मौसमी ढोक (झोपड़ी) में तीन हथियारबंद आतंकवादियों को शरण दी थी। दोनों लोगों ने आतंकवादियों को खाना, रहने के लिए जगह, लोजिस्टक और अन्य तमाम तरह की मदद की थी। इस हमले में आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर चुन-चुन कर मार डाला था। एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। इस मामले में एनआईए अधिकारियों ने कहा कि अभी दोनों को गिरफ्तार किया गया है। इन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। इसके बाद इनसे पहलगाम अटैक की साजिश रचने से लेकर अंजाम देने और इनके फरार होने के तमाम मामलों में जानकारी ली जाएगी। इनसे पाकिस्तान के रोल के बारे में भी पूछा जाएगा।

अभी फरार हैं पहलगाम में आतंकी हमला करने के गुनाहगार

अभी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी फरार हैं। लेकिन एनआईए अधिकारियों का कहना है कि अब जबकि फरार आतंकवादियों के यह लोकल सपोर्टर पकड़े गए हैं। तो फरार आतंकवादियों के बारे में भी पता लग ही जाएगा। इस बारे में शनिवार को ही एनबीटी ने खबर देते हुए बताया था कि पहलगाम अटैक को दो महीने पूरे होने को हैं। लेकिन एनआईए अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इसके एक दिन बाद ही एनआईए ने दो आरोपियों को दबोच लिया।

आतंकियों का समर्थन करने वाले लोग हैं बड़ी समस्या

एनआईए द्वारा पहलगाम में आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने कहा, अब जांच में बहुत कुछ पता चलेगा कि वे किससे जुड़े हैं। हम सीमा पार से घुसपैठ को रोकेंगे, लेकिन बड़ी समस्या वे लोग हैं जो देश के भीतर से उनका समर्थन कर रहे हैं। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा, पिछले महीने पहलगाम में जो कुछ भी हुआ वह पूरी तरह से निंदनीय है, यह एक कायराना हमला था। पहलगाम में पर्यटन बंद हो गया है, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। मैं सरकार से अपील करती हूं कि इस हमले को अंजाम देने वालों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा, अब हम उनसे पता लगाएंगे कि वे (आतंकवादी) कौन थे और कहां से आए थे। अगर उन्होंने उन्हें सही तरीके से पकड़ा है, तो यह हमारे लिए बहुत अच्छी बात है कि धीरे-धीरे हम उन लोगों तक पहुंच जाएंगे जिन्होंने पहलगाम हमला किया।

ईरान के दो प्रमुख परमाणु केंद्रों पर अमेरिका ने दागीं मिसाइलें

ट्रंप बोले... ईरान नहीं सुधरा तो तेज होंगे हमले

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका ने रविवार को तड़के सुबह ईरान के खिलाफ एक बेहद गुप्त और बड़ी सैन्य कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन 'मिडनाइट हैमर' रखा गया था। पेंटागन के मुताबिक, इस ऑपरेशन में अमेरिका के 125 से ज्यादा लड़ाकू विमान और मिसाइलें शामिल थीं। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने रविवार को बताया कि यह हमला ईरान के दो प्रमुख परमाणु केंद्रों- फोर्दो और नतांज- पर किया गया। इसके साथ ही इस्फहान शहर में भी मिसाइलें दागी गईं। जनरल डैन केन ने कहा, 'हमने ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया जो सीधे उनके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। ऑपरेशन को इस तरह अंजाम दिया गया कि आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे। 125 से ज्यादा अमेरिकी विमान शामिल- इनमें बमवर्षक, फाइटर जेट, टैंकर (तेल भरने वाले विमान), और जासूसी विमान शामिल थे। इसमें बी-2 स्टील्थ बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल हुआ, जो मिसौरी से उड़कर आए थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराए, बंकर-बस्टर बम के तौर पर जाने जाते हैं। ये बम जमीन के भीतर छिपे ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम हैं। ये हमला रात 6:40 बजे (पूर्वी समयानुसार) शुरू हुआ और सात बजे तक सभी विमान ईरानी हवाई क्षेत्र से निकल चुके थे। इस मिशन को 9/11 के बाद बी-2 बमवर्षकों की सबसे लंबी उड़ान बताया गया है।

रक्षा मंत्री पीट हगसेथ ने बताया कि यह कार्रवाई अमेरिका की सुरक्षा और पश्चिम एशिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी थी। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान शांति का रास्ता नहीं अपनाता, तो अमेरिका आगे भी सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।' इससे पहले, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस से एक बयान में कहा कि 'हमने ईरान के परमाणु ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। अगर ईरान ने सुधरने की कोशिश नहीं की, तो और हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका युद्ध नहीं चाहता, लेकिन ईरान की ओर से खतरे को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, 'पिछली रात, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों, फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर मध्य रात्रि में सटीक हमला किया।

चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट रद्द

एजेंसी/चंडीगढ़

चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट रविवार को रद्द कर दी गई, क्योंकि पायलट ने उड़ान से पहले जांच के दौरान तकनीकी समस्या का पता लगाया। विमान के टैक्सीइंग से पहले ही समस्या का पता चल गया था और एहतियात के तौर पर सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से विमान से उतार दिया गया। समस्या का पता विमान के उड़ान भरने से पहले ही चल गया था और विमान ने उड़ान नहीं भरी। प्रभावित यात्रियों को या तो वैकल्पिक उड़ानों में बिठाया गया या उन्हें पूरा पैसा वापस करने की पेशकश की गई।

लंदन जाने वाले विमान में आई परेशानी: लंदन के लिए उड़ान भरने के बाद परिचालन संबंधी कारणों से चेन्नई वापस लौटा। बाद में विमान करीब चार घंटे की देरी से अपने गंतव्य को रवाना हुआ। करीब 209 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान वापस लौट आया था।

शिवसेना और मनसे के बीच गठबंधन की अटकलें तेज

एजेंसी/मुंबई

मुंबई में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच संभावित गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला सिर्फ उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ही लेंगे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा कि मनसे के कुछ नेता जो गठबंधन का विरोध कर रहे हैं, वे राजनीति में हाल ही में आए हैं। उन्हें बोलने का कोई अधिकार नहीं है। राउत ने कहा कि मैं वर्षों से ठाकरे भाइयों को करीब से जानता हूं और मुझे अच्छी तरह पता है कि क्या होगा और क्या नहीं। बता दें कि यह बयान मनसे नेता संदीप देशपांडे की आलोचनात्मक टिप्पणी के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधा था। जहां हाल ही में राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुंबई के एक होटल में मुलाकात की थी, जिससे यह चर्चा और तेज हो गई कि वे भाजपा के साथ फिर से हाथ मिला सकते हैं।

2024 के लोकसभा चुनावों में राज ठाकरे ने भाजपा और महायुति को समर्थन दिया था, जबकि पहले वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक माने जाते थे। हालांकि अब, ठाकरे भाइयों के बीच फिर से मेल-मिलाप की संभावना जताई जा रही है। इसको लेकर राज ठाकरे ने कहा है कि मराठी मानुष के हित में एक होना मुश्किल नहीं है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि अगर महाराष्ट्र विरोधी तत्वों को शामिल नहीं किया गया, तो वह पुरानी बातों को भुलाकर आगे बढ़ने को तैयार हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान किया

नक्सली हथियार नहीं डालेंगे तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे: शाह

एजेंसी/रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान किया। उन्होंने नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हथियार नहीं डालोगे तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे। साथ ही कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार का अभियान मानसून के मौसम में भी जारी रहेगा।

अमित शाह ने कहा कि हर बार बरसात के मौसम में नक्सलियों को आराम मिल जाता था (क्योंकि उफनती नदियां घने जंगल के अंदर नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालती हैं), लेकिन इस बार हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे। शाह ने कहा कि हम 31/3/2026 तक नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। इस दिशा में हमारा फोर्स आगे बढ़ रहा है। शाह ने नक्सलियों से हथियार डालने और विकास की यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। शाह ने नक्सलियों से कहा कि हथियार डाल दीजिए और विकास की यात्रा में शामिल हो जाइए। बातचीत की कोई जरूरत नहीं है। बस सशस्त्र संघर्ष छोड़ दीजिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाइए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को तेज गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से न केवल नक्सली विरोधी अभियान को धार दी, बल्कि समय-समय पर इसका मार्गदर्शन भी किया है. पुलिस और सुरक्षा बलों को प्रोत्साहित किया है और इस लड़ाई को कुशलता से आगे बढ़ाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं उन सभी का तहे दिल से स्वागत करता हूं, जिन्होंने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं और उन्हें आश्वस्त करता हूं कि छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र ने उनसे जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा और हम आपकी और भी अधिक मदद करने का प्रयास करेंगे।

डीईओ कार्यालय में हुई बड़ी चोरी: शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप, मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस

जरूरी फाइल व पेन ड्राइव के साथ हार्ड डिस्क ले गए चोर, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

- मामले में कार्यालय के लोगों के शामिल होने की जताई जा रही आशंका
- पुराने शौचालय में मिला कार्यालय का इंवर्टर व बैट्री, डीपीओ कार्यालय का फुटेज खंगाल रही है पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

हाल के दिनों में चर्चित जिला शिक्षा विभाग रविवार को दिन भर सुर्खियों में रहा। यहां सुनियोजित तरीके से की गई बड़ी चोरी का मामला प्रकाश में आया है। घटना शनिवार की देररात की है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि चोरों ने कार्यालय में रखी कई महत्वपूर्ण फाइलों और व पेन ड्रइव के साथ साथ कंप्यूटर के हार्ड डिस्क तक निकाल लिए हैं।

घटना की जानकारी विभागीयस अधिकारियों को रविवार को मली, जब किसी व्यक्ति ने आसपास के दुकानदारों को कार्यालय के दरवाजों का ताला टूटने की खबर दी। इसके बाद दुकानदारों ने मामले की जानकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) विष्णुकांत राय कार्यालय पहुंचे और जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय व अपने कार्यालय का जायजा लिया। जहां उन्होंने पाया कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से केवल जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय का ही ताला तोड़ा था, लेकिन स्थापना कार्यालय का दरवाजा काटने में वो सफल नहीं हो सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) ने तत्काल इसकी सूचना नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गहनता से पूरे इलाके की जांच की। जांच के क्रम में पुलिस को पुराने व जर्जर शौचालय में कार्यालय का इंवर्टर व बैटरी पड़ी मिली।

गेट का ताला काट चोरी की घटना को दिया अंजाम : मामले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी विष्णुकांत राय ने बताया कि सूचना मिलते ही वो कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पाया कि चोरों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र पांडेय के कार्यालय के गेट में लगे ताला को काटा गया है। इसके बाद चोरो ने आलमीरा तोड़ा है। संभवतः चोरों ने उसमें रखी महत्वपूर्ण फाइलें व पेन ड्राइव अपने साथ ले गए होंगे। साथ ही, चोरों ने कार्यालय में रखें कंप्यूटर का हार्ड डिस्क की चोरी कर लिया। इसके अलावा चोरों ने डीपीओ कार्यालय का भी ताला काटने का प्रयास कर दरवाजा खोलने का प्रयास किया था, लेकिन डीपीओ कार्यालय का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। उसके बाद चोर पुनः जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय में जाकर अन्य चीजों पर अपना हाथ साफ किया। उन्होंने बताया कि रविवार होने के कारण सभी लिपिक छुट्?टी पर होने के कारण कार्यालय नहीं आ सके। सोमवार को सभी लिपिकों के आने के बाद मिलान किया जाएगा कि चोरों ने कौन-कौन सी जरूरी फाइलें व पेन ड्राइव पर अपना हाथ साफ किया है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है पुलिस : मामले में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस बल वहां पहुंची और पूरे परिसर की तलाशी ली। इस क्रम में पाया गया कि चोरों ने शौचालक में इंवर्टर और बैट्री छुपा कर रखी थी। वहीं, कार्यालय का व अलमिरा का ताला तोड़ कर कई चीजें गायब की। चोरों ने कंप्यूटर का हार्ड डिस्क भी चुरा लिया। दूसरी ओर, सीसीटीवी कैमरे की जांच में एक संदिग्ध व्यक्ति पाया गया है, लेकिन उसके हावभाव से वारदात में और भी लोगों के शामिल होने की संभावना है। क्योंकि ढाई घंटों के अंतराल में वो आठ बार कार्यालय का चक्कर लगाता और किसी को कुछ जानकारी देता। हालांकि, पुलिस डीपीओ कार्यालयक के सीसीटीवी फुटेज के साथ साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी तलाशी ले रही है। जल्द ही चोर पकड़े जाएंगे।

कार्यालय के लोगों के संलिप्त होने की संभावना

दूसरी ओर, विभाग में इस चोरी की वारदात की पूरे दिन चर्चा होती रही। बताया जा रहा है कि बीते कुछ हफ्तों में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने अनुशासनहीन और लापरवाह शिक्षकों पर चरणवार कार्रवाई की थी। अब वो कर्तव्यहीन व मठाधीश शिक्षक व शिक्षक नेताओं पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे, जिसकी सूचना उन शिक्षकों को मिल चुकी होगी। इस मामले को लेकर संबंधित शिक्षकों ने कार्यालय के किसी कर्मी के साथ मिलकर इस चोरी की घटना को अंजाम देने की साजिश रची होगी। अब देखना यह है कि इतनी बड़ी वारदात को शिक्षा विभाग कैसे संभालता है। मामले की खबर मिलते ही पूरे जिले व अधिकारियों की नजरें अग्रेतर कार्रवाई पर टीकी हैं।

एक नजर

पूरे राज्य की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किया जा रहा उनका रजिस्ट्रेशन

बक्सर। विधानसभा क्षेत्र के नगर परिषद क्षेत्र में वार्ड संख्या 22 एवं 27 में रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत "माई बहिन मान योजना" का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्येंद्र कुमार ओझा ने किया गया। इस अवसर पर लगभग 200 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरकर योजना में ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण कराया। साथ ही, मिस्ड कॉल के माध्यम से पंजीकरण की पुष्टि भी की गई। बताया गया कि "माई बहिन मान योजना" का शुभारंभ माननीय राहुल गांधी ने बीते छह जून को गयाजी में "महिला संवाद" कार्यक्रम के दौरान किया था। इसी कड़ी में बक्सर में भी यह योजना सक्रिय रूप से आरंभ की गई है, जहां माताओं और बहनों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें योजना के लाभ और उद्देश्य की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में "माई बहिन मान योजना" के समन्वयक संदीप यादव एवं विशाल यादव की विशेष उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताएं भी इस आयोजन में सहभागी बने और इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मां गंगा की सेवा में 287वां गंगा सफाई अभियान, युवाओं ने लिया निर्मल गंगा का संकल्प

बक्सर। "हर रविवार गंगा पुकार, निर्मल गंगा संकल्प हमारा" के उद्देश्य को लेकर बीते छह वर्षों से मां गंगा की सेवा में समर्पित समाजसेवी भरत पांडेय ने 287वें रविवार को चौसा नगर पंचायत के बाजार घाट पर गंगा सफाई महाअभियान चलाया। इस अवसर पर दर्जनों युवाओं ने घाट पर एकत्र होकर गंगा की सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। भरत पांडेय के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गंगा को स्वच्छ, निर्मल और प्रदूषण मुक्त बनाना है। सफाई कार्य के बाद गंगा स्नान के लिए आए लोगों को गंगा की महत्ता और उसकी पवित्रता को बनाए रखने का संकल्प भी दिलवाया गया। अभियान में श्रीराम चौधरी, राधेश्याम चौधरी, मंगलदेव पासवान, पप्पू चौरसिया, नीरज चौरसिया समेत कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल रहे। सभी ने मिलकर घाट की सफाई की और उपस्थित लोगों को गंगा में कचरा न फेंकने तथा साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की।

कोबरा सांप के डंसने से किशोर की हुई मौत

बक्सर। जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के साहोपरा गांव में रविवार की सुबह एक किशोर की सांप काटने से मौत हो गई। मृतक का नाम 17 वर्षीय किशोर राजा पाण्डेय बताया जा रहा है। समय से अस्पताल न ले जाने के कारण उसकी मौत की संभावना जताई जा रही है। वहीं, चिकित्सकों का मानना है कि यदि समय पर किशोर को सदर अस्पताल लाया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रविवार की अहले सुबह तकरीबन चार बजे किशोर राजा पांडेय अपने कमरे में सो रहा था, इस बीच उसके कमरे में एक कोबरा सांप घुस गया और उसके बिस्तर पर चढ़ गया। किशोर की शरीर की हरकत और उसके बदन की गर्मी से डर कर कोबरा ने उसे डंस लिया। इसके बाद जब किशोर की आंख खुली तो उसने डर कर परिजनों को आवाज दी, लेकिन, परिजन उसे अस्पताल की जगह झाड़-फूंक के चक्कर में यहां वहां लेते गए, जिससे उसकी हालत और भी गंभीर हो गई। यह दकख परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

सात करोड़ की लागत से बना पुल अब भी सड़क से अछूता

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड अंतर्गत बेलांव गांव के समीप ठोरा नदी पर सात करोड़ रुपये की लागत से बना पुल अब भी सड़क से नहीं जुड़ सका है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों के साथ रोहतास एवं कैमूर जिले के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल के पश्चिमी छोर पर संपर्क पथ के अभाव में यह पुल बीते दस वर्षों से "सफेद हाथी" बनकर रह गया है। ग्रामीणों ने इस समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी को एक संयुक्त आवेदन पत्र सौंपा है, जिसमें उन्होंने अपनी निजी रैयती भूमि को संपर्क पथ निर्माण के लिए देने की स्वीकृति जताई है।

आवेदन में बताया गया है कि पुल के पूरब किनारे रैयत भूमि आ रही है, जो गांव के बिहारी लाल, बेचन यादव उर्फ राजेंद्र यादव और रामजी यादव की है। यदि इस भूमि का अधिग्रहण कर लिया जाए, तो पुल को पक्की सड़क से आसानी से जोड़ा जा सकता है। इस प्रयास में बेलांव, बसमनपुर एवं घुनसारी गांव के ग्रामीण एकजुट हुए हैं। मुखिया प्रतिनिधि अजय पांडेय की अगुआई में सभी ग्रामीणों ने पुल के समीप एकत्र हुए। मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि जिलाधिकारी को हस्ताक्षरयुक्त एक आवेदन सौंपा गया है। इस आवेदन में रैयतदारों ने स्पष्ट रूप से अपनी भूमि अधिग्रहण के लिए सहमति दी है। जिससे कि वर्षों से अधूरी पड़ी इस योजना को गति मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि संपर्क पथ बन जाने से न केवल बक्सर जिले के कई गांवों को लाभ होगा, बल्कि रोहतास जिले के अनेक गांवों तक पहुंचने की दूरी भी कम हो जाएगी। मौके पर उपस्थित प्रमुख लोगों में रामजी शर्मा, मनोज कुमार, अप्पू लाल, रामधार पासवान, अरुण कुमार, शिवजी सिंह, कमलेश पाल, हरिहर प्रसाद, मनोज कुमार श्रीवास्तव, नीतीश कुमार, अखलाख अंसारी, मुकेश कुमार, टाइगर सिंह, विजय सिंह और विपुल ठाकुर सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल थे।

केसठ सीओ के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, 27 से देंगे अनिश्चितकालीन धरना

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के सीओ अभिषेक गर्ग के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि अंचलाधिकारी केसठ द्वारा लगातार आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, वे मनमानी करते हैं और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं।

इसी को लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त एक आवेदन बीडीओ कार्यालय को सौंपा है और चेतावनी दी है कि अगर जल्द इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे 27 जून से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। ग्रामीण सतेंद्र दुबे उर्फ भूलन दुबे ने बताया कि सीओ के रवैए से आम जनता त्रस्त है। सरकारी कार्यालय जनता के लिए होते है, लेकिन यहां जनता के साथ ही दुर्व्यवहार हो रहा है। खास बात यह है कि इस विरोध में प्रखंड के तीनों पंचायतों केसठ, रामपुर, कतिकनार के उपमुखिया भी शामिल हैं, जिन्होंने खुलकर सीओ के व्यवहार की निंदा की है। आवेदन देने वालों में उपमुखिया केसठ अमितेश कुमार गुप्ता, उपमुखिया कतिकनार दीपक सिंह, उपमुख्य रामपुर मनोज कुमार, दिग्विजय सिंह सहित कई पंचायतों के लोग शामिल हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सीओ की कार्यशैली की जांच कर उन पर कार्रवाई की जाए।

नपं में नुक्कड़ नाटक के जरिए स्वच्छता के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को वार्ड संख्या चार और छह में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाया गया।

स्थानीय कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक, गीत और संवाद के माध्यम से गीला और सूखा कचरा अलग करने, खुले में शौच से मुक्ति, जल संरक्षण, और नियमित सफाई जैसे अहम विषयों को जीवंत तरीके से प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने बच्चों, युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों को भी अपनी ओर आकर्षित किया और उन्हें स्वच्छता के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। नाटक के जरिए यह संदेश दिया गया कि सफाई केवल बाहरी नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी जरूरी है। जब तक हमारी सोच और आदतों में परिवर्तन नहीं होगा, तब तक एक स्वच्छ भारत की कल्पना अधूरी है। कलाकारों ने यह भी दिखाया कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद पार्वती देवी ने की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और सभी से अपने घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने का आह्वान किया।

डाक पार्सल वाहन में चप्पलों की आड़ में की जा रही शराब तस्करी की खेप बरामद, एक गिरफ्तार

- राजस्थान से बिहार लाई जा रही थी शराब की खेप, गुप्त सूचना मिलने पर की गई कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्कर नए-नए हथकंडे अपनाकर शराब की तस्करी करते रहे हैं। इसी सिलसिले में रविवार की देर शाम वीर कुंवर सिंह गंगा सेतु चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की भारी खेप को जब्त किया और तस्करी की एक बड़ी साजिश को विफल कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक कंटेनर को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी के दौरान कंटेनर में लदे चप्पलों के नीचे छुपाकर रखी गई भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। शराब की यह खेप राजस्थान से बिहार लाई जा रही थी, जहां इसकी खपत की योजना थी।

उत्पाद विभाग के थानाध्यक्ष आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान नरेश कुमार, निवासी झुनझुन, राजस्थान के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान नरेश ने स्वीकार किया कि शराब को चप्पलों की आड़ में छिपाकर बिहार भेजा जा रहा था। फिलहाल, बरामद शराब की मात्रा की गिनती की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। विभाग ने इस सफलता को शराब तस्करी पर एक बड़ी चोट बताया है और कहा है कि आगे भी इसी तरह की सघन जांच जारी रहेगी।

11वीं में नामांकन के लिए जेएनवी में शुरू हुआ ऑफलाइन आवेदन

नावानगर। स्थानीय प्रखंड स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 11वीं (मानविकी संकाय) में नामांकन हेतु चयन परीक्षा के लिए ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसको लेकर विद्यालय परिसर में आगामी 12 जुलाई 2025 (शनिवार) को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी विद्यालय के प्राचार्य कौशल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विद्यालय कार्यालय से ऑफलाइन आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन भरकर जमा करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र विद्यालय कार्यालय में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय अवधि में स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वे छात्र इस प्रवेश परीक्षा के लिए पात्र हैं, जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो तथा जिनकी जन्म तिथि 1 जून 2007 से 31 जुलाई 2009 के बीच होनी चाहिए।

भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तहत बक्सर स्टेशन पर लोगों को कराया गया भोजन

गरीबों को भोजन कराना ही है नारायण सेवा: शशांक शेखर

- स्वर्गीय पति की पुण्य स्मृति में सेवानिवृत निदेशिका ने बुजुर्गों में बांटे छाते

केटी न्यूज/बक्सर

भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तहत संचालित भोजन बैंक बक्सर के तत्वावधान में रविवार को बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में गरीबों व जरूरतमंद लोगों को मुफ्त भोजन कराया गया। साथ ही, राज्य शिक्षा विभाग के शोध एवं प्रशिक्षण की सेवानिवृत निदेशिका सुरसरि कुमारी ने अपने दिवंगत पति स्व. लल्लन राय की पुण्य स्मृति में बुजुर्गों व असहायों के बीच छाता का भी वितरण किया गया। स्व. लल्लन राय भूमिहार ब्राह्मण उच्च विद्यालय से शिक्षक के पद से रिटायर हुए थे। कार्यक्रम का संचालन श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष शशांक शेखर उपाध्याय, अधिवक्ता कुमार मानवेन्द्र एवं शिक्षक बाला जी ने संयुक्त रूप से किया।

इस मौके पर मोहम्मद अकरम, अधिवक्ता सुभम उपाध्याय एवं अधिवक्ता राज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक स्व. ललन राय ने अपने जीवन काल में नौकरी के दौरान हमेशा बच्चों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। वो अपने सेवाकाल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयत्नशील रहे। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष शशांक शेखर उपाध्याय, अधिवक्ता कुमार मानवेन्द्र एवं शिक्षक बाला जी ने कहा कि भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान द्वारा जिस तरह का कार्यक्रम किया जा रहा है वो काबिले-तारीफ है। इस तरह के कार्यक्रम में आम जनमानस को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। हालांकि कहा जाता है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। ऐसे में गरीबों को भोजन कराना नारायण सेवा ही माना जाता है।

इस मौके पर भुआली वर्मा, आरव कुमार, शिक्षक जय प्रकाश, अंकित ओझा, विजय राय, भरत गोंड, संजय सिंह, शिक्षक अर्जुन कुमार, जगदीश पटेल, गुड्डू जी, शिवम् राय, सौरभ गुप्ता, प्रमोद कुमार, चंदू जी, प्रीतम कुमार एवं समस्त मित्र गण तथा अभिवावकगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम के अंत में राजु ठाकुर एवं अधिवक्ता राजेश यादव तथा ललन राम ने सबका आभार व्यक्त किया और सबसे आग्रह किया कि आगामी रविवार को सुबह 09 बजे बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में आए और गरीबों व जरुरतमंदों को भोजन करा कर पुण्य के भागी बनें।

मिटने के कगार पर है केसठ गढ़, अतिक्रमण में समा रहा शौर्य का प्रतीक

♦ प्रशासनिक उपेक्षा और राजनीति उदासीनता के कारण संरक्षण से वंचित ऐतिहासिक विरासत

केटी न्यूज/केसठ

पूरे जिले में कभी चेरो खरवार वंश के गौरवशाली इतिहास का साक्षी रहा केसठ गांव का ऐतिहासिक गढ़ आज अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण मिटने के कगार पर पहुंच गया है। लगभग डेढ़

एकड़ क्षेत्रफल में फैला यह गढ़ अब राजनीतिक पार्टी के कार्यालय, महादलित परिवारों के आवास, पैक्स गोदाम, पंचायत भवन व शौचालय में तब्दील हो चुका है।

ग्रामीणों के अनुसार, यह गढ़ लगभग हजारों वर्ष पुराना है। पहले इस क्षेत्र को रसीदपुर नाम से जाना जाता था, जो कालांतर में चेरो राजा केसवा के नाम पर केसठ कहलाया। लोगों का मानना है कि केसवा राक्षस था, जो मां भवानी की पूजा करता था। उसी काल की विरासत के रूप में यहां आज भी मां भवानी का मंदिर मौजूद है, जिसे ग्रामीणों ने मिलकर पुनः जीवंत किया।

सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव रखा गया था: गढ़ के संरक्षण की मांग कई वर्षों से की जा रही है। पंचायत मुखिया अरविंद यादव उर्फ गामा पहलवान के द्वारा जिला परिषद में गढ़ के निचले भाग पर मार्केट और ऊपरी भाग पर सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता के कारण मामला अधर में रह गया। वर्ष 16 अक्टूबर 2023 को आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में भी ग्रामीणों ने डीएम से गढ़ को अतिक्रमण मुक्त कराने का आग्रह किया था, जिस पर सिर्फ आश्वासन ही मिला। गढ़ की जमीन पर मूसहर समुदाय एवं अन्य समुदाय ने भी बड़ी संख्या में कब्जा जमा लिया है। पूर्व में उन्हें बस स्टैंड के पास जमीन आवंटित की गई थी, लेकिन प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण वे अब तक वहां नहीं जा सके।

सीओ और जिला प्रशासन को आवेदन दिया है : राजद नेता सुनील यादव उर्फ पप्पू यादव ने बताया कि उन्होंने कई बार सीओ और जिला प्रशासन को आवेदन दिया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं ग्रामीण विजय यादव, गुड्डु सिंह और दिनेश ने कहा कि प्रशासन को ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए अविलंब अतिक्रमण हटाना चाहिए। लोगों का कहना हुआ कि ऐतिहासिक केसठ गढ़ को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को इसकी गौरवगाथा से परिचित कराया जाए, अन्यथा यह विरासत इतिहास के पन्नों में खो जाएगी।

एक नजर

भाकपा-माले ने बदलो बिहार यात्रा के तहत सभा के दौरान बिहार सरकार को घेरा

काराकाट। भाकपा-माले ने बदलो सरकार, बदलो बिहार यात्राके तहत रविवार को काराकाट के गोडारी सभा संबोधन किया। उन्होंने बताया कि भाजपा-जदयू सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। गरीब और वंचित वर्ग सरकार से नाराज है। रोहतास जिसे धान का कटोरा कहा जाता है, सिंचाई संकट से जूझ रहा है। सोन नहर की हालत खराब है, किसान खेतों में पानी नहीं पहुंचा पा रहे हैं। एमएलए अजीत कुशवाहा ने कहा कि रोजगार नहीं है। शिक्षा व्यवस्था बिगड़ी हुई है। अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं। नौजवान रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं. इससे गरीबों पर बोझ बढ़ा है। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार बढ़ा है। सरकार इसे रोकने के बजाय बढ़ावा दे रही है। हत्या, लूट और दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी हैं, लोग डरे हुए हैं। सोन नदी से अवैध बालू उठाव जारी है। इससे पर्यावरण और जलवायु पर असर पड़ रहा है। राजस्व माफियाओं की जेब भर रही है। सम्मेलन में हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। डबल इंजन की सरकार को हटाने की जरूरत पर जोर दिया गया। इस मौके पर आरा सांसद सुदामा प्रसाद, काराकाट विधायक डॉ. अरुण कुमार सिंह, डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा, राजू यादव अन्य कई आईपीएफ कार्यकर्ता और सदस्य शामिल थे।

वीकेएसयू के परीक्षा नियंत्रक बने प्रो. अनवर इमाम

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में परीक्षा विभाग की कमान प्रो अनवर इमाम को सौंपी गई है। पूर्व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनवारूल हक अंसारी के इस्तीफा के बाद प्रो इमाम को परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।प्रो इमाम विवि अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षक है। ये पूर्व में भी परीक्षा नियंत्रक रह चुके है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।प्रो इमाम को अगले आदेश तक के लिए प्रभारी परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है। अगले आदेश तक प्रो इमाम परीक्षा नियंत्रक रहेंगे।बता दें कि प्रो इमाम वर्ष कई बार परीक्षा नियंत्रक

रहे है। इसके बाद कुछ दिन तक प्रतिकुलपति भी रह चुके है। प्रोवीसी की नियुक्ति उस वक्त राजभवन द्वारा कि गई थी।साथ ही ये विवि में प्रॉक्टर की कमान भी संभाल चुके है।उसके बाद कई बार बार नियंत्रक रह चुके है। हर बार उन्होंने चुनौती के रूप में कार्य किया। जब जब परीक्षा विभाग की स्थिति बिगड़ी है उन्हें नियंत्रक की जिम्मेवारी सौंपी गई है।प्रो इमाम उस पर खरे भी उतरे है। प्रो. अनवर इमाम ने कुलपति प्रो शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी द्वारा परीक्षा नियंत्रक की जिम्मेवारी सौंपे जाने पर बताया कि उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। लंबित परीक्षा और रिजल्ट की त्रुटियों का निष्पादन प्राथमिकता में है। इसका निष्पादन जल्द से जल्द किया जाएगा। ताकि विद्यार्थियों को कॉलेज और विश्वविद्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन दो घंटे विद्यार्थियों कि समस्या भी सुनी जायेगी।साथ ही उनकी हर समस्याएं ऑन द स्पॉट निष्पादित की जायेगी। विद्यार्थियों की परेशानी दूर करना हमारा पहला प्रयास रहेगा।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल को यथावत स्थिति में लाने में लगे अधिकारी व कर्मी

बिक्रमगंज। आरा रोड में टेड़की पुल के पास पिछले दिनों संपन्न हुए कार्यक्रम स्थल को यथावत स्थिति में लाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य जारी है। भूमि उपसमाहर्ता बिक्रमगंज के नेतृत्व में 40 से अधिक अमीन दिन रात काम कर रहे है। भूमि सुधार उपसमाहर्ता ने बताया कि धान की खेती शुरू होने से पहले सभी किसानों की भूमि को चिन्हित कर मेड़ दे दिया जाएगा। आपको बता दे कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जमोड़ी पंचायत के दुगार्डीह मौजा और मोरौना पंचायत के अमाथू मौजा के 400 एकड़ भूभि पर पंडाल आदि बनाये गए थे। इससे सभी खेतों कि मेड़ टूट गए थे। खेत में सड़क का निर्माण कर दिया गया था। प्रभावित किसानों के आग्रह पर पूर्व विधायक राजेश्वर राज मंत्री से मिल कर भूमि को यथावत स्थिति में लाने का आग्रह किया था। मंत्री ने इसे गंभीरता से लिया। डीएम रोहतास को प्रभावित भूमि को यथावत स्थिति में लाने का निर्देश दिया। मंत्री के निर्देश पर पूरे जिला के अमीन को मापी करने में लगाया गया है। सीओ बिक्रमगंज अलका कुमारी, विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी आशुतोष कुमार, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो नवीन कुमार, विशेष सर्वेक्षण लिपिक नीतीश कुमार, अमीन जयप्रकाश कुमार, मानेंद्र यादव अखिलेश कुमार, कुमारी प्रियांशु, नेहा कुमारी सहित कई अधिकारी और कर्मचारी लगे है।

खबरें फटाफट

प्रकृति बचाने का संदेश देता नाटक

आरा। सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट की शनिवारीय श्रृंखला ह्यविकेंड नुक्कड़ मुद्दा' के तहत नुक्कड़ नाटक ह्यप्रकृति की चेतावनीह्व का मंचन हुआ। नाटक का लेखन और निर्देशन साहेब कुमार ने किया। इसमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और उसके दुष्परिणामों को दिखाया गया। उद्घाटन समाजसेवी यशवंत नारायण और हरिश्चंद्र साह ने किया। यशवंत नारायण ने कहा कि आरा रंगमंच की नगरी रही है। यहां रंगमंच का इतिहास 125 साल से भी पुराना है। यह नुक्कड़ श्रृंखला रंगमंच के इतिहास में मील का पत्थर बनेगी। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जैसे हम अपने बच्चों की देखभाल करते हैं, वैसे ही पेड़ों की भी करनी चाहिए। संचालन युवा नेता और समाजसेवी अभय विश्वास भट्ट ने किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस बरसात में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव संजय राय ने कहा कि ट्रस्ट हमेशा से सामाजिक कुरीतियों और दुष्प्रभावों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामने लाता रहा है। नाटक में यह दिखाया गया कि अगर पेड़ों की कटाई ऐसे ही चलती रही तो भविष्य में ऑक्सीजन भी साथ लेकर चलना पड़ेगा।

पीजी सेमेस्टर टू व चार की परीक्षा 26 से

आरा। वीकेएसयू में आगामी 23 जून से प्रस्तावित पीजी सेमेस्टर टू सत्र 2024-26और सेमेस्टर चार सत्र 2023-25 की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। संशोधित परीक्षा प्रोग्राम आज रविवार को जारी कर दिया गया। प्रो. इमाम ने बताया कि पीजी सेमेस्टर टू और चार की परीक्षा 26 जून से ली जाएगी। प्रोग्राम और केंद्र सूची जारी कर दी गई। वहीं एमबीए और एमसीए में दाखिला के लिए भी प्रवेश परीक्षा की तिथि भी निर्धारित की गई है। यह परीक्षा भी 26 जून को होगी। पीजी परीक्षा का एडमिट कार्ड सोमवार की शाम अपलोड कर दिया जाएगा।पीजी परीक्षा को लेकर आरा में पांच केंद्र और रोहतास, कैमूर और बक्सर में एक-एक केंद्र बनाए गए है। एमबीए व एमसीए प्रवेश परीक्षा जगजीवन कॉलेज में होगी। यह परीक्षा 26 जून को होगी।

नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज स्थित ओवर ब्रिज के समीप रविवार की शाम घटी घटना

हथियारबंद बदमाशों ने बाइक सवार युवक को पीछे से मारी गोली, इलाजरत

केटी न्यूज/आरा

♦ जख्मी युवक का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

♦ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज स्थित ओवर ब्रिज के समीप रविवार की शाम बाइक सवार हथियारबंद बदमाशों ने एक बाइक सवार युवक को पीछे से गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली बाएं साइड कमर के निचले हिस्से पर मारी गई है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ला निवासी मुन्ना यादव का 22 वर्षीय पुत्र अनीष कुमार है। घटना को लेकर आसपास की इलाके में सनसनी मच गई है।

वहीं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर अनीष कुमार ने बताया कि बीते वर्ष दुर्गा पूजा के समय गाना बजाने के विवाद को लेकर तरारी गांव निवासी आयुष कुमार से झगड़ा हुआ था। उसी समय से उक्त युवक से विवाद चला आ रहा है। रविवार की शाम वह बाइक से बाजार से घर वापस लौट रहा था। लौटने के क्रम में जैसे ही वह पावरगंज स्थित ओवर ब्रिज के समीप पहुंचा। तभी पीछे से आयुष कुमार अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक से आया और उसे पीछे से गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं दूसरी तरफ जख्मी युवक अनीष कुमार ने आयुष कुमार पर दुर्गा पूजा में हुए विवाद को लेकर खुद को गोली मारने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि उक्त आरोपी आयुष कुमार वर्तमान में गोढ़ना रोड में रहता है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

पैसेंजर ट्रेन से गिरकर रेलवे के सिग्नल मेंटेनर की मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर बिहिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो स्थित जीआरपी पोस्ट के के सामने रविवार की सुबह गाड़ी संख्या (63233) सवारी गाड़ी से गिरकर रेलवे के सिग्नल मेंटेनर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक पटना जिला के मनेर थाना क्षेत्र के नगवां गांव वार्ड नंबर 14 निवासी स्व द्विज नारायण सिंह के 53 वर्षीय पुत्र ज्ञानेश्वर प्रसाद है। वह रेलवे के सिग्नल विभाग के ग्रेड वन में सिग्नल मेंटेनर के पद पर थे एवं वर्तमान में करीब 15 वर्ष से बिहिया स्टेशन पर कार्यरत थे।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह ड्यूटी के दौरान बना ही से बिहिया आए और ट्रेन से उतरने के दौरान वह ट्रेन से गिर पड़े। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी गई। सूचना पाकर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में

करवाया। इधर रेलवे के कल्याण निरीक्षक पदाधिकारी एकलव्य कुमार जोशी ने बताया कि गाड़ी संख्या (63233) सवारी गाड़ी से गिरकर ड्यूटी के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद रेलवे विभाग की तरफ से दाह-संस्कार को लेकर 35 हजार रुपए की कल्याण राशि दी गई है। साथ रेलवे विभाग द्वारा उन्हें पूरी तरह सम्मान के साथ भेजा जाएगा। बताया जाता है कि मृतक ने वर्ष 2001 में गुजरात में सिग्नल मेंटेनर के पद पर ज्वाइन किया था। उनके परिवार में पत्नी रीता देवी व दो पुत्र राहुल राज एवं अमन राज है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी रीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

कृष्णमृग और गौरैया के लिए अनुकूलित जैव विविधता मॉडल क्षेत्र बनेगा रोहतास

केटी न्यूज/सासाराम

बिहार पर्यावरण संरक्षण अभियान व युवा पर्यावरण संरक्षण क्लब द्वारा रोहतास जिले में जलवायु अनुकूलित जैव विविधता के विकास के उद्देश से वाइल्डटेल फाउंडेशन और इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन अलायंस के निर्देशन में पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षित एक आदर्श क्षेत्र(मॉडल क्षेत्र) के निर्माण हेतु अमरथा एवं बरना के तरफ जंगली इलाके का चयन कर निर्माण कार्य जारी कर दिया गया है।

बिहार राज्य पर्यावरण संरक्षण अभियान के जिला समन्वयक सह युवा पर्यावरण संरक्षण क्लब गोडारी के अध्यक्ष शिवम कुमार ने बताया कि हम संबंधित क्षेत्र में कृष्णमृग के संरक्षण व आवास पुनर्स्थापन हेतु अप्रैल 2024 से लगातार कार्य कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण अभियान की टीम लगातार कोशिश कर रही है कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दुर्लभ वन्यजीव कृष्णमृग का संरक्षण हो व उनके आवास का पुनर्स्थापन किया जाए।

इसके लिए उन्होंने डीएम व वन प्रमंडल पदाधिकारी तथा संबंधित वन्य क्षेत्र पदाधिकारी से वर्तमान स्थिति को लेकर सहायता के लिए अनुरोध किया है। टीम स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर एक मॉडल क्षेत्र का विकास कर रही हैं। जहां पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ यहां के स्थानीय समुदाय को भी जागरूक किया जा सके ताकि वे अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और यथा संभव ऐसे कार्य करे जिनसे जलवायु में परिवर्तन करने वाले कारकों को कम किया जा सके ताकि हमारे पर्यावरण के साथ जैव विविधता का ह्रास न हो।

ज्वेलरी दुकानों में शटर तोड़कर भीषण चोरी

केटी न्यूज/सासाराम

नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत इटिम्हां गांव के समीप डेहरी- बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर अवस्थित मथुरा मार्केट में दो ज्वेलरी की दुकान में शटर तोड़कर अज्ञात चोरों ने भारी संख्या में सोने चांदी के जेवरात, बर्तन समेत लगभग दस लाख की सामग्री चुरा कर फरार हो गए। घटना शुक्रवार देर रात्रि की है। इस संबंध में दोनों पीड़ित दुकानदारों ने थाने में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है।

उक्त रवि ज्वेलर्स के संचालक इटिम्हां निवासी रवि कांत ने थाने को दिए आवेदन में बताया है कि प्रतिदिन की भांति वह शुक्रवार की रात्रि में दुकान बंद कर गांव में स्थित घर गया था। अगले सुबह शनिवार को बगल के दुकानदार ने फोन कर घटना के बारे में बताया । सूचना पाकर दुकान आने पर देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ था। सारे समान बिखरे पड़े थे। चोरों ने सारा सामान चुरा ले गए। उक्त दुकानदार ने बताया कि दुकान से नए पुराने 90 ग्राम सोना,चार किलो चांदी, ग्राहक का पचास हजार का मरम्मती सामान, व गल्ले में रखा नगद पचास हजार समेत लगभग दस लाख की सामग्री चोरी कर ली गई है। घटना शुकवार रात्रि एक से दो बजे की संभावित बताई जाती है। वहीं बगल के मां लक्ष्मी ज्वेलर्स व बर्तन दुकान का भी चोरों ने चोरी का असफल प्रयास किया।

उक्त दुकान के दरवाजे के बाहर से लगे चैनल गेट को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन केवल ताला ही टूट पाया। दुकान के संचालक उक्त गांव निवासी रामकुमार प्रसाद ने थाने में आवेदन दिया है। जिसमें कहा गया है कि चोरों ने उनके दुकान में भी चोरी का असफल प्रयास किया और चैनल गेट को टेढ़ा कर दिया और एक ताला तोड़ दिया। सड़क पर हलचल की आहट मिलने से लगता है वह भाग निकले। दोनों दुकानदार पिता व पुत्र बताए जाते हैं। चोरों ने सीसीटीवी का तार और कैमरा भी तोड़ डाला है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज से एक मिनट 19 सेकंड का फुटेज मिला है। जिसमें एक पतला दुबला युवक सीसीटीवी कैमरे और तार को बांस के लगी से तोड़ता दिख रहा है मुख्य सड़क पर रात्रि बालू के वाहन के शोर व अंधेरे व बरसात का लाभ उठाकर चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल किया।

सरैया और सिन्हा मंडल में संकल्प सभा का आयोजन कर सैकड़ों लोगों को दिलाई गई शपथ, बोले विधायक...

सम्मान समृद्धि योजना से किसानों को मिल रहे हैं 6000 रुपये

केटी न्यूज/आरा

रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा मोदी सरकार 11 साल 'संकल्प से सिद्धि तक' कार्यक्रम के अंतर्गत बड़हरा विधानसभा के सरैया और सिन्हा मंडल का संयुक्त विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन गजियापुर में किया गया। संकल्प सभा कार्यक्रम की अध्यक्षता सिन्हा मंडल अध्यक्ष गोबिन्द साह और संचालन सरैया मंडल अध्यक्ष करोड़पति से ने किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथियों में जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष राम अवतार सिंह, रामाकांत सिंह, मंडल प्रभारी संतोष सिंह संटु एवं बड़हरा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय उपस्थित

थे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं सामुहिक वंदेमातरम के साथ हुआ। आगत अतिथियों का स्वागत मंडल पदाधिकारियों द्वारा अंगवस्त्र के साथ किया गया।

कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ता, बहुतायत महिला एवं ग्रामीण जनता को बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा शपथ प्रपत्र के माध्यम से देश को विकसित बनाने का संकल्प दिलाया गया। सभीन ने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान का शपथ लिया। बड़हरा विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र मे जब से मोदी जी का सरकार आया तब से देश बहुत तेजी से विकास कर रहा है। 2014 के पहले सरकार द्वारा गरीबो एवं बुजुर्ग लोगो के लिए ईलाज के नाम पर एक पैसा का भी कार्ड नही था,लेकिन आज आयुष्मान कार्ड से पाँच लाख तक इलाज हो रहा है। किसानों के लिए किसान सम्मान समृद्धि योजना से छह हजार रूपए मिल रहा है। गरीबी स्तर से नीचे लोगों को पांच किलो का मुफ्त अनाज मिल रहा है।

वहीं, महिलाओं के लिए बहुत सारी सुबिधाएं और योजना सरकार द्वारा दी जा रही है। बिहार में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व मे एनडीए सरकार महिलाओं के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रही है।आज लड़कियां सरपट सड़क पर साईकिल चलाते हुए विद्यालय जा रही है। महिलाओं को नौकरी मे आरक्षण दे कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाने का काम नीतीश कुमार ने किया है।आज गाँवो मे जीविका और आशा कार्यकर्ता बन कर, माज सेवा और अपना जीविकोपार्जन कर रही है।

बड़हरा विधायक ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत ग्यारह हजार राशी होने पर बड़हरा विधानसभा की जनता की तरफ से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पूरी कैबिनेट को धन्यवाद दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि 2014 के बाद देश मे बदलाव हुआ है।अब हम भय मुक्त, भुख मुक्त तुष्टिकरण मुक्त भारत में जी रहे है और देश का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा होते हुए देख रहे है। आज सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का सरकार है। बिहार सहित पूरे देश में विकास की नदी बह रही है। मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष राम अवतार सहि, रामाकांत सहि,विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, धनंजय तिवारी सहित वक्ताओं ने सरकार की उपलब्धियों के संबंध में लोगों को जानकारी दी।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98, Biology : 91
English Core : 97, Physics : 91
Physical Education : 96, Business Studies : 86
Mathematics : 92, Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन परियोजना का आज होगा लोकार्पण

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य को विकसित एवं समृद्ध बनाने की दिशा में एक और अहम कदम उठाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 23 जून 2025 को कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन परियोजना के प्रथम चरण एनएच-31 से राघोपुर तक के हिस्से का लोकार्पण करेंगे। इस संबंध में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री से उद्घाटन को लेकर स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 23 जून राघोपुर दियारा के निवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। दशकों से राजधानी पटना से नावों और पीपा

पुल के माध्यम से जुड़े रहने वाले इस क्षेत्र के लोग अब मात्र 5 मिनट में सड़क मार्ग से राजधानी पहुंच सकेंगे। मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह पहला स्थायी पुल होगा जो राघोपुर को राजधानी पटना से जोड़ेगा। अब लोगों को मानसून के समय बनने वाले अस्थायी पीपा पुल या नावों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। हर साल बारिश में जब पीपा पुल हटा दिया जाता था, तब यह इलाका शेष राज्य से कट जाता था। लेकिन अब इस पुल के शुरू होने से सालभर निर्बाध आवागमन संभव होगा, जिससे राघोपुर दियारा के सामाजिक और आर्थिक जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। मंत्री ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री जिस हिस्से का उद्घाटन करेंगे, वह पूरी तरह तैयार है। यह हिस्सा कच्ची दरगाह से राघोपुर तक फैला है। राघोपुर से बिदुपुर तक के शेष हिस्से का कार्य अंतिम चरण में है, जिसे आगामी तीन माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। उद्घाटन के साथ ही इस मार्ग पर यातायात की शुरूआत हो जाएगी। इसके साथ ही राघोपुर की मुख्य सड़क (पंसरिया चौक) को कनेक्ट करने के लिए 17 करोड़ रुपये की लागत से संपर्क पथ का निर्माण भी शीघ्र आरंभ किया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है।

3,000 करोड़ का ऋण, 2,000 करोड़ की राज्य हिस्सेदारी: यह परियोजना कुल 19 किलोमीटर लंबी है, जिसमें गंगा नदी पर बना 9.76 किलोमीटर लंबा एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे ब्रिज शामिल है। पुल की चौड़ाई 32 मीटर है और इसे 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के अनुकूल डिजाइन किया गया है। इस परियोजना के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से 3,000 करोड़ रुपये का ऋण लिया गया है, जबकि राज्य सरकार ने लगभग 2,000 करोड़ रुपये का व्यय वहन किया है।

केबल स्टे ब्रिज की विशेषता: मंत्री ने बताया कि इस पुल की एक प्रमुख विशेषता इसकी अत्याधुनिक निर्माण तकनीक है। एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे ब्रिज में केबल्स को सीधे टावर से नहीं, बल्कि डेक के नीचे विशेष ढंग से एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक जोड़ा गया है। इस पुल के चालू होने से महात्मा गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होगा। साथ ही बिदुपुर, राघोपुर और पटना के बीच तेज और सुव्यवस्थित सड़क संपर्क स्थापित होगा। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य के किसी भी कोने से राजधानी पटना तक की दूरी अधिकतम साढ़े तीन घंटे में तय की जा सके, जिसमें यह पुल अहम भूमिका निभाएगा।

इस बार महागठबंधन की सरकार बनना तय है : मुकेश सहनी

पटना। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने नालंदा के हिलसा में रविवार को एक व्यापक जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और महागठबंधन की जीत का दावा किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। मुकेश सहनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आपने देखा कि हिलसा विधानसभा में आज हमने कार्यकर्ता सम्मेलन किया और बारिश के बीच भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता संबोधन सुनने के लिए जुटे रहे। यह हमारी पार्टी की बढ़ती शक्ति को दशार्ता है। वीआईपी अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी पूरे बिहार में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। कल दरभंगा में कार्यक्रम था, और आज मोतिहारी में भी कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। हम महागठबंधन के साथ मजबूती से खड़े हैं और इस बार महागठबंधन की सरकार बनना तय है।

जन सुराज अभियान के सूत्रधार और रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने की घोषणा

एक साल के भीतर बिहार से बाहर मजदूरी करने वालों को देंगे रोजगार

- रोहतास जिले के करगहर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा में को किया संबोधित
- बोले- 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई का खर्चा सरकार वहन करेगी

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज अभियान के सूत्रधार और रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने रविवार को रोहतास जिले के करगहर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा में राज्य के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। करगहर के जगजीवन स्टेडियम मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने खुद को कोई नेता नहीं, बल्कि साधारण परिवार का बेटा बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता करगहर में डॉक्टर थे और वहीं उनका जन्म हुआ था, इसलिए यह भूमि उनके लिए पूजनीय है। जनसभा के दौरान प्रशांत किशोर

ने जनता से तीन प्रमुख वादे किए। जिनमें सबसे पहले उन्होंने स्थानीय रोजगार की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि उनकी सरकार बनती है तो एक साल के भीतर बिहार से बाहर मजदूरी करने वाले लोगों को राज्य में ही 10 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह की आमदनी वाला रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी को लेकर उन्होंने कहा कि वर्तमान में 400 रुपये की वृद्धा पेंशन को बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह किया जाएगा। शिक्षा में सुधार को लेकर कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधरती नहीं, तब तक 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई का खर्चा सरकार वहन करेगी।

प्रशांत किशोर ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू यादव अपने नौवीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाने में लगे हैं, लेकिन आम लोगों को अपने मैट्रिक-इंटर पास बच्चों की फिक्र नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि वे लालू यादव की आलोचना नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें एक अच्छा पिता बता रहे हैं। प्रशांत किशोर ने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में अब तक लोगों ने शिक्षा और रोजगार के नाम पर वोट नहीं दिया, इसी कारण राज्य की स्थिति बदहाल है। उन्होंने कहा कि अगर 10 प्रशांत किशोर भी आ जाएं, तब भी बिहार नहीं सुधरेगा, जब तक यहां की जनता नहीं सुधरेगी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक कई नेताओं और दलों को सलाह दी है, जिससे कई लोगों का राजनीतिक जीवन संवर गया। अब वे जनता को सलाह देना चाहते हैं ताकि उनके जीवन और उनके बच्चों का भविष्य बेहतर हो सके। प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों में जिनका साथ दिया, वे सत्ता में पहुंचे और मुख्यमंत्री भी बने, लेकिन इससे आम जनता का जीवन नहीं बदला। अब वह केवल जनता के जीवन को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

रोड शो से पहले लोगों से संवाद: सभा से पूर्व प्रशांत किशोर ने करगहर बाजार में करीब एक किलोमीटर लंबा पैदल रोड शो भी किया। इस दौरान उन्होंने आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें अपने बच्चों एवं बिहार के भविष्य के लिए सोच-समझकर वोट देने की अपील की।

नीतीश कुमार सिर्फ बोझ ही रहेंगे: तेजस्वी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने नीतीश कुमार के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें नीतीश ने दावा किया था कि आज भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव उन्हें गठबंधन में वापस ले लेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंसान एक बार कोई गलती करता है तो माफ किया जा सकता है, लेकिन नीतीश कुमार ने वही गलती दोबारा की है। अब वो चाहे कहीं भी जाएं, वह सिर्फ एक बोझ ही रहेंगे, इसलिए उनका वापस आना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

भागलपुर में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत, परिजनों ने मांगा मुआवजा

केटी न्यूज/भागलपुर

रविवार की दोपहर भागलपुर जिले में मौसम की करवट ने कहर बरपाया। जिले के अलग-अलग इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य झुलसकर घायल हो गए हैं। सभी घटनाएं कहलगांव अनुमंडल क्षेत्र की बताई जा रही हैं। सन्हौला प्रखंड के बनियाडीह गांव निवासी रघुनंदन यादव (55 वर्ष) खेत में काम कर रहे थे। दोपहर में अचानक मौसम बदला और मूसलधार बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर रघुनंदन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

कहलगांव प्रखंड अंतर्गत घोघा थाना क्षेत्र के जानीडीह कुलकुलिया गांव निवासी नीरज कुमार (16 वर्ष), पिता धनंजय मंडल, बारिश के दौरान घर के पास स्थित खेत में स्नान कर रहा था। तभी बिजली गिर गई और वह उसकी चपेट में आ गया। नीरज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। मां ललिता देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने भी शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इधर, घोघा प्रखंड के पक्कीसराय पंचायत की तीन युवतियां

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गईं। धर्मेंद्र मंडल की पत्नी नंदिनी देवी (19 वर्ष), गुड़िया कुमारी (16 वर्ष) और दीक्षा कुमारी (13 वर्ष) खेत में काम कर रही थीं। बारिश के दौरान अचानक बिजली गिरने से तीनों झुलस गईं। परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए भागलपुर के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां तीनों का इलाज चल रहा है।

ग्रामीणों में दहशत: लगातार हो रही आकाशीय बिजली की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मृतकों के परिजनों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी पीड़ित परिवारों को यथाशीघ्र सहायता राशि दिए जाने की मांग की है।

मोतिहारी में शॉपिंग मॉल के मालिक पर फायरिंग, बची जान

मोतिहारी। शनिवार की रात मोतिहारी में सुगौली के ताज चौक स्थित ताज शॉपिंग सेंटर के प्रोपराइटर फैसल यूसुफ पर बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना राष्ट्रीय उच्च पथ 527 डी पर स्थित ताज चौक की है, जहां रात करीब 10:30 बजे यह वारदात हुई। फैसल यूसुफ ने बताया कि वह अपनी दुकान बंद कर सीढ़ियों से नीचे उतर ही रहे थे कि तभी उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। वह सीढ़ियों पर ही रुक कर बात करने लगे। इसी दौरान हेलमेट पहने बाइक सवार दो युवकों ने उन पर दो राउंड फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि दोनों गोलियां उन्हें नहीं लगीं। एक गोली सीढ़ियों पर मार्बल में जा धंसी, जबकि दूसरी हवा में निकल गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख व सांसद उपेंद्र कुशवाहा एक दिवसीय दौरे पर गयाजी पहुंचे

समय पर परिसीमन नहीं होने के कारण बिहार के लोगों को हो रहा है बड़ा नुकसान : कुशवाहा

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख व सांसद उपेंद्र कुशवाहा एक दिवसीय दौरे पर गयाजी पहुंचे। उनके आगमन को लेकर गया परिसदन भवन के सभागार में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार में हम कुछ चुने हुए स्थानों पर बड़ी रैली करेंगे। उस रैली में विशेष एजेंडा के माध्यम से लोगों को अवगत कराने का काम करेंगे, जिसका विषय परिसीमन है। परिसीमन का मतलब लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की संख्या का निर्धारण है, जो विभिन्न राज्यों में संविधान के अनुसार किया जाता है। दस साल पर जनगणना होगी। जनगणना के उपरांत जितनी आबादी उस वक्त की होगी, उसके अनुरूप लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की संख्या भी बढ़ेगी। संविधान की इस व्यवस्था के अनुसार सबसे पहली बार 1951 में आजादी के बाद जनगणना के आधार पर परिसीमन हुआ।

1961 की जनगणना के आधार पर परिसीमन हुआ, फिर 1971 की जनगणना के आधार पर भी

परिसीमन हुआ। 1951 में लोकसभा सीट 494 थी, जो परिसीमन के बाद 1961 में 522 और 1971 में 543 हो गई। उसी व्यवस्था के अनुसार आगे भी परिसीमन होना चाहिए था। लेकिन, 1976 में जब आपातकाल लागू था, उस वक्त संविधान में परिवर्तन कर दिया गया और परिसीमन का कार्य रोक दिया गया, जो अभी तक रुका हुआ है। इस रुकावट से बिहार और उसके आसपास के कुछ राज्यों को बहुत नुकसान हो रहा है। अगर पुरानी व्यवस्था के अनुसार 2011 की जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ होता, तो लोकसभा क्षेत्रों की संख्या 40 से बढ़कर कम से कम 60 हो गई होती। विधानसभा क्षेत्र की संख्या भी उसके अनुरूप बढ़ती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 50 साल से यह प्रक्रिया रुकी हुई है, जिससे बिहार के लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि एक कोशिश यह भी शुरू हो गई है कि 2026 में भी परिसीमन का काम न हो और संविधान की जो व्यवस्था है, उसमें रोक की सीमा को और आगे बढ़ाया जाए। मुख्य रूप से कुछ दक्षिण भारतीय नेताओं ने मिलकर एक संगठन बना लिया है, जिसके माध्यम से लोकसभा और राज्यसभा में इस मुद्दे पर अभियान चलाया जा रहा है। एक तरफ परिसीमन नहीं होने के लिए अभियान चल रहा है, वहीं दूसरी ओर इसका लाभ उठाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए हमारी पार्टी ने तय किया है कि हमें आम लोगों के बीच यह जानकारी पहुंचानी है कि परिसीमन के अधिकार से हम वंचित हैं और हमारा नुकसान हो रहा है। इस उद्देश्य से हमने रैली का आयोजन करने का निर्णय लिया है। दो रैलियां पहले ही हो चुकी हैं, एक शाहाबाद में और दूसरी मुजफ्फरपुर में। तीसरी रैली 29 जून को गया में आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद, प्लस 2 स्कूलों में सभी विषयों की पढ़ाई नहीं

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का हवाला देकर राज्य के डिग्री कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद कर दी है। प्लस टू हाई स्कूलों की इंटरमीडिएट की पढ़ाई को लेकर मजबूत नहीं किया गया है। राज्य में प्लस टू हाईस्कूलों की संख्या 510 है। लेकिन सभी स्कूलों में इंटर के सभी विषयों की पढ़ाई नहीं होती है।वहीं 125 प्लस टू हाईस्कूलों में एक भी टीचर नहीं है। इसलिए डिग्री कॉलेजों से इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद करने के सरकार के फैसले का झारखंड छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने विरोध किया है। कहा कि इस फैसले से हजारों छात्र प्रभावित होंगे, खासकर छात्राएं, क्योंकि राज्य में महिला प्लस टू स्कूलों की संख्या बहुत कम है। वे शनिवार को छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। मौके पर सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष मो. हाशिम ने आर्थिक रुप से कमजोर छात्रों के नामांकन में सहयोग करने की घोषणा की। इस अवसर पर बीडीओ नईमुद्दीन अंसारी, सीओ औसाफ अहमद खान, शारिब अहमद, मो. अजमतुउल्लाह, उप प्रमुख अफसाना प्रवीन, आरिफ रजा समेत अन्य थे।

बीजेपी के लिए पीड़ा 'प्रचार' है और जरूरत 'राजनीति', जानिये ऐसा क्यों बोले मंत्री इरफान अंसारी

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की मदद से बम ब्लास्ट में बुरी तरह घायल एक व्यक्ति की जान बच गयी। इसकी जानकारी खुद स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी है। मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा पर तंज कसते हुए लिखा है, आदिवासी दलित और अल्पसंख्यक की जान लेती है भाजपा। लेकिन सब की रक्षा कर जान बचाता हूं, डॉ इरफान। उन्होंने बताया कि छप्पन मोहाली के मामले में पूरा गांव मान चुका था कि वो नहीं बचेगा, लेकिन मैंने कहा– जब तक सांस है, तब तक आस है। छप्पन मोहाली का कश्मीर में बम ब्लास्ट में पूरा पेट फट गया था। हालात इतने गंभीर थे कि समाज, गांव और घरवालों ने मान लिया था कि अब उनका बच्चा नहीं बचेगा। सबने उम्मीद छोड़ दी थी– लेकिन मैंने नहीं छोड़ी। मैंने मौत से उसे खींचकर लाया, उसके जीवन को फिर से शुरू करवाया। और आज जब वो जिंदा है, मुस्कुरा रहा है, तो मुझे भीतर से संतोष और गर्व होता है। यह सिर्फ इलाज नहीं था, यह इंसानियत की जीत थी।मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि लेकिन अफसोस इस बात का है कि ऐसे समय में जब इंसान को मदद की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों के दिल पत्थर हो जाते हैं। भाजपा वालों से मदद की उम्मीद करना बेकार है। उन्हें ना इंसान की पीड़ा दिखती है, ना इंसानियत की पुकार सुनाई देती है। इनके लिए पीड़ा भी 'प्रचार' है, और जरूरत भी 'राजनीति'। हमने जिंदगी बचाई, हम जमीन पर थे, वो सोशल मीडिया पर। यही फर्क है एक संवेदनशील इंसान और सत्ता के दिखावे में।

बिहार सरकार के नियामवली से होनी थी फोर्थ ग्रेड की भर्ती, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की पहल से लगी रोक

पलामू, एजेंसी। जिले में चतुर्थ वर्गीय पदों पर नियुक्ति को लेकर शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने हिस्सा लिया। उन्होंने नियुक्ति से जुड़ी विसंगति को कैबिनेट में उठाया था। वहीं, मंत्री ने मामले में मुख्य सचिव से भी बात की थी। इसके बाद वित्त मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें पूरे मामले की जानकारी दी। जिसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के तरफ से संबंधित अधिकारी को बहाली स्थगित करने के निर्देश जारी किए गए। वित्त मंत्री राधा कृष्णकिशोर के तरफ से बताया गया कि झारखंड में चतुर्थवर्गीय पदों पर बहाली के लिए कोई नियमावली नहीं बनाई गई है। जो भी बहाली हो रही है, वह बिहार सरकार के द्वारा बनाई गई नियमावली पर हो रही है। बिहार के नियमावली से झारखंड का भला नहीं होगा, आवश्यकता है झारखंड सरकार के द्वारा बनाए गए नियमावली से ही बहाली की जाए। चतुर्थ वर्गीय पदों पर बहाली से ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

बिष्टुपुर में सीबीआई का छापा,

सीजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर के आवास से दस्तावेज जब्त

जमशेदपुर, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 800 करोड़ रुपये के फर्जी निर्यात घोटाले में जमशेदपुर समेत बिहार के अन्य जिलों में जबरदस्त कार्रवाई की है। कस्टम अधिकारियों और 23 फर्जी फर्मों की सांठगांठ से टाइल्स और ऑटोमोबाइल पार्ट्स का फर्जी निर्यात दिखाकर 100 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई। बिष्टुपुर के नार्दर्न टाउन स्थित रणविजय कुमार के आवास से सात सोने की छड़ें, आपत्तिजनक दस्तावेज और मोबाइल फोन बरामद हुए।

रणविजय कुमार फिलहाल जमशेदपुर में सेंट्रल जीएसटी व सेंट्रल एक्साइज के एडिशनल कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं और वह नार्दर्न टाउन के बंगला नंबर वनडी में रहते हैं। उनके अलावा पांच कस्टम अधिकारियों और 29 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

यह घोटाला 2021 से 2023 के बीच पटना कस्टम कार्यालय और भीमनगर, जयनगर व भिट्ठामोर के लैंड कस्टम स्टेशनों (एलसीएस) में अंजाम दिया गया। विश्वसनीय सूत्रों की सूचना पर 17 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें कस्टम के तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त रणविजय कुमार, सुपरिंटेंडेंट्स नीरज कुमार, मनमोहन शर्मा, तरुण कुमार सिन्हा, राजीव रंजन सिन्हा, निजी व्यक्ति गंगा सिंह और 23 फर्जी फर्मों को आरोपी बनाया गया।

जमशेदपुर में सीबीआइ की कार्रवाई ने इस घोटाले को नया आयाम दिया है। रणविजय कुमार पहले पटना में कस्टम विभाग के अतिरिक्त आयुक्त के रूप में तैनात थे। सीबीआई ने उनके बिष्टुपुर स्थित आवास पर शनिवार को छापेमारी की, जहां 100-100 ग्राम की सात सोने की छड़ें, कई आपत्तिजनक दस्तावेज और मोबाइल फोन बरामद हुए।

ये दस्तावेज फर्जी निर्यात और जीएसटी रिफंड की साजिश से जुड़े हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, रणविजय कुमार का जमशेदपुर में प्रभावशाली नेटवर्क रहा है, और सीबीआइ इस बात की जांच कर रही है कि क्या स्थानीय स्तर पर कोई अन्य व्यक्ति या फर्म इस रैकेट से जुड़ी थी।सीबीआई की जांच में सामने आया कि इस रैकेट में फर्जी शिपिंग बिल बनाकर टाइल्स और आटोमोबाइल पार्ट्स को नेपाल भेजने का दिखावा किया गया। बिलों की कीमत जानबूझकर 10 लाख रुपये से कम रखी गई, ताकि सुपरिंटेंडेंट स्तर के अधिकारी बिना गहन जांच के इन्हें मंजूरी दे सकें।कुल 800 करोड़ रुपये के फर्जी निर्यात दिखाए गए, जिनमें 28 प्रतिशत और 18 प्रतिशत जीएसटी दर वाले सामान शामिल थे। इन फर्जी बिलों के जरिए 100 करोड़ रुपये की जीएसटी रिफंड की धोखाधड़ी की गई।

डायरेक्टोरेट आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआइ) की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि रायल इम्पेक्स, प्रसाद इंटरप्राइजेज, यूनिक इंटरनेशनल, राकेश इम्पेक्स और खान ट्रेडर्स जैसी फर्मों ने 2023 में आयात-निर्यात कोड हासिल कर तुरंत 1800 फर्जी शिपिंग बिल दाखिल किए। जांच में पाया गया कि ये फर्में अपने पंजीकृत पते पर काम ही नहीं कर रही थीं।

इन फर्मों ने 4161 ई-वे बिल बनाए, जिनमें से 1836 शिपिंग बिल भीमनगर और जयनगर एलसीएसपर दाखिल किए गए। इन ई-वे बिलों में तमिलनाडु से नेपाल जाने वाले सामान का उल्लेख था। हैरानी की बात यह है कि इनमें 583 वाहनों के पंजीकरण नंबर शामिल थे, जिनमें दोपहिया, बस, एम्बुलेंस और कारें थीं। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के आंकड़ों से पता चला कि इनमें से कोई भी वाहन नेपाल सीमा पार नहीं गया।

विधानसभा की लोक लेखा समिति का हजारीबाग दौरा, विभागीय वित्तीय प्रबंधन एवं लेखा संबंधी मामलों की हुई समीक्षा

हजारीबाग, एजेंसी।

झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति ने शनिवार को हजारीबाग जिला का दौरा किया। परिसदन में आयोजित बैठक में समिति ने जिले के समस्त वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय आर्थिक प्रबंधन, सरकारी खर्चों की पारदर्शिता, लेखा परीक्षण, वित्तीय दस्तावेजों के मूल्यांकन सहित विभिन्न वित्तीय पहलुओं पर गहन चर्चा कर जानकारी ली। समिति ने विभागीय अधिकारियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर बल दिया। समिति ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागीय कंडिकाओं की नियमित समीक्षा करते हुए उसमें निहित समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि वित्तीय अनुशासन एवं उत्तरदायित्व का पालन प्रभावी रूप से हो सके।

समिति ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के बाद समिति का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधा आम जनता को सुचारू रूप से नहीं मिल रहा है। कई ऐसे मशीनें हैं, जो धूल फांक रही है। डॉक्टर पूरा समय नहीं दे रहे हैं। लंच अवर 2 घंटे का रखा गया है। यह ही नहीं मरीज को निजी अस्पताल भी निजी लाभ में भेजा जा रहा है।

झामुमो ने रामा पांडेय को 6 महीने के लिए पार्टी से किया सस्पेंड

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम झामुमो जिला समिति की कोर कमेटी ने मजदूर नेता और गत दिनों भाजपा से झामुमो की सदस्यता ग्रहण किये रामा शंकर पांडेय उर्फ रामा पांडेय को झामुमो ने अगले छह माह तक के लिए निलंबित कर दिया है।

यह जानकारी झामुमो जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने दी है। लागुरी ने कहा कि उपायुक्त चंदन कुमार ने रामा पांडेय को छह माह के लिए जिला बदर किए जाने के बाद शनिवार को जिलाध्यक्ष सोनाराम देवगम की अध्यक्षता में परिसदन चाईबासा में झामुमो जिला समिति की बैठक हुई।

इसमें मौजूद सदस्यों ने सर्वसम्मति से रामा पांडेय को छह माह तक के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। साथ ही पांडेय पर लगे रंगदारी जैसे संगीन मामले की जांच करने के लिए सात सदस्यों की जांच कमेटी का भी गठन किया गया है।

इसमें झामुमो जिला सचिव राहुल आदित्य, जिला उपाध्यक्ष दिनेश चंद्र महतो, मो. इकबाल अहमद, दीपक कुमार प्रधान, जिला संगठन सचिव चंद्रमोहन बिरुवा, वृंदावन गोप व जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी को जांच कमेटी में शामिल किया गया है।

यह कमेटी पांडेय के विरुद्ध लगे रंगदारी मांगने समेत कई संगीन मामले पर 15 दिन के अंदर जांच कर जिलाध्यक्ष सोनाराम देवगम को सौंपेगी।

बैठक में सचिव राहुल आदित्य, जिला उपाध्यक्ष अशोक दास, दीपक कुमार प्रधान, प्रेम मुंडरी, इकबाल अहमद, अकबर खान, जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी, जिला संगठन सचिव मानाराम कुदादा, सह सचिव हरिलाल करजी, दिनेश चंद्र महतो, चंद्रमोहन बिरुवा, सह सचिव बंधना उरांव, मो. मुजाहिद अहमद, वृंदावन गोप, कांडे तियु, विनय प्रधान, संदेश सरदार, विश्वनाथ बाड़ा आदि उपस्थित थे।

युवाओं के लिए नौकरी ! धनबाद में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला, निजी क्षेत्र की कंपनियों ने लगाया स्टॉल

धनबाद, एजेंसी। जिला के नियोजनालय परिसर में श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेला में भारी संख्या में युवाओं ने कंपनियों के स्टॉल का जायजा लिया। इसके साथ निजी क्षेत्र की कई कंपनियों ने इस मेला में अपने स्टॉल लगाए।

इस रोजगार मेला का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना है। निजी क्षेत्र की 23 कंपनियों ने 1324 वैकेंसी के साथ पहुंची हैं। इन कंपनियों में 7-8 कंपनियां लोकल और शेष बाहर की हैं। रोजगार मेला में चयनित युवाओं को 17 से 18 हजार से लेकर 23 हजार रुपए प्रतिमाह तक की नौकरी मिलेगी। यह रोजगार मेला बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा अवसर है।

वहीं रोजगार मेला में पहुंचे अभ्यर्थियों ने कहा कि सरकार द्वारा रोजगार मेला का आयोजन करवाने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिल रहा है। लेकिन इस महंगाई में जो वेतन कंपनियां दे रही हैं वह पर्याप्त नहीं है। बेरोजगार होने के कारण समझौता कर इसे करना है। वहीं कई कंपनियों के स्टॉल में प्रतिनिधि नहीं पहुंचे है।

रोजगार मेला में आए अभ्यर्थी मंटू कुमार ने कहा कि काफी देर हो चुके हैं वो यहां पहुंचे हुए है लेकिन कोई भी अधिकारी काउंटर पर नहीं है। कंपनी का कोई अधिकारी स्टॉल पर मौजूद नहीं हैं। नियोजनालय के अधिकारी से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि 10 से पंद्रह मिनट में आ जाएंगे। लेकिन 2 घंटे बीत जाने के बाद भी कंपनी के कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचे हैं।

ये दोनों युवक सुपरवाइजर और इलेट्रेशियन के पद के लिए आवेदन देने के लिए पहुंचे हैं। बीए के साथ साथ इलेट्रिशियन से आईटीआई हैं। उन्होंने कहा कि इलेट्रिशियन या फिर डिप्लोमा के लायक यहां रोजगार नहीं हैं, अनुभव के हिसाब से यह सैलरी की व्यवस्था नहीं है। वहीं शेखर महतो ने कहा कि सिक्यूरिटी गार्ड के लिए आवेदन दिए हैं। बेरोजगारी है ऐसे में कोई भी काम मिल जाए। वहीं गोपी किशन ने कहा कि बेरोजगारों के लिए यह लाभदायक ही है। मेरे द्वारा एक कंपनी के आवेदन दिया गया है। सुपरवाइजर के पद के लिए आवेदन दिए हैं। जितनी सैलरी होनी चाहिए वह नहीं है। हर दिन महंगाई बढ़ रही है और इसके हिसाब से ही सैलरी का आकलन करना चाहिए।

इस मेला को लेकर जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि रोजगार मेले का लाभ लेने के लिए युवाओं को झारखंड के किसी नियोजनालय में निबंधित होना आवश्यक है। रोजगार मेला में धनबाद की भी कई कंपनियां जॉब ऑफर करने पहुंची हैं। इनमें मैट्रिक, इंटर से लेकर एमबीए बीटेक अन्य उच्चतर योग्यताधारी युवा शामिल हैं। उन्होंने बताया रोजगार मेला में कौशल प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान किया गया है।

रांची में पहली बार ई-बीट सिस्टम शुरू, पेट्रोलिंग टीम को क्यूआर कोड स्कैन कर बताना होगा कहां हैं तैनात

रांची, एजेंसी। राजधानी में विभिन्न संवेदनशील जगहों पर पुलिस की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अब ई-बीट सिस्टम की शुरुआत की गई है। इसके लिए बैंक, ज्वेलरी दुकान और शैक्षणिक संस्थान समेत 700 से ज्यादा जगहों को चिह्नित किया गया है जहां क्यूआर कोड लगाया गया है।

पेट्रोलिंग करने वाले थाने की गश्ती गाड़ी और पीसीआर को चिह्नित स्थानों पर जाकर ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड को स्कैन करने का निर्देश दिया गया है, ताकि उनकी उपस्थिति दर्ज की जा सके। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मॉनिटरिंग करने वाले संबंधित अधिकारी यह देख सकेंगे कि कौन सी टीम कहां मौजूद है। जीपीएस के माध्यम से समय और स्थान की भी पूरी जानकारी ऐप में रिकॉर्ड हो जा रही है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राजधानी में पहली बार ई-बीट सिस्टम की शुरुआत की गई है। बीट पुलिस ट्रैकर के नाम से डेवलप इस ऐप के बारे में सभी थानेदारों को जानकारी दी गई है। ग्रामीण इलाकों में भी कई थानों की पुलिस ने भी इस ऐप का इस्तेमाल शुरू किया है। वहीं कई थाने ऐसे भी हैं, जहां टेक्निकल फॉल्ट की वजह से नई व्यवस्था शुरू नहीं की जा सकी है।

ई-बीट सिस्टम शुरू होने के बाद चिह्नित जगहों पर पेट्रोलिंग व पीसीआर को पहुंचना अनिवार्य होगा। बैंक व ज्वेलरी दुकान समेत कई ऐसी जगह हैं, जहां पेट्रोलिंग व पीसीआर को दो या तीन बार पहुंच कर वहां से आने-जाने वालों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। वरीय पुलिस पदाधिकारियों को यह जानकारी भी नहीं मिल पाती थी कि पेट्रोलिंग व पीसीआर की टीम वहां पहुंची है या नहीं। अब ई-बीट सिस्टम चालू हो जाने के बाद ऐप के माध्यम से ही पूरी जानकारी मिल जाएगी।

रांची पुलिस पर मिर्च पाउडर फेंकने वाला आरोपी गिरफ्तार, दो बंदरों को भी किया गया रेस्क्यू

रांची, एजेंसी। जिले के जगन्नाथपुर पुलिस पर मिर्ची पाउडर फेंक कर हमला करने वाला आरोपी देवशीष पॉल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिछले महीने देवशीष पॉल के यहां बंदरों का रेस्क्यू करने गई टीम पर पॉल ने हमला कर दिया था और मौके से फरार हो गया था।

पुलिस और वन विभाग की टीम पर मिर्च पाउडर से हमला करने वाला अपराधी देवशीष पॉल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पॉल के घर से पुलिस और वन विभाग की टीम ने दो बंदरों को भी रेस्क्यू किया है। वन विभाग की टीम दोनों बंदरों को अपने साथ ले गई है। गिरफ्तार आरोपी का नाम देवशीष पॉल है और वह धुर्वा क्वाटर नंबर 1442 में रहता है।

पूछताछ में आरोपी देवाशीष ने पुलिस के समक्ष अपनी गलती स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर विभिन्न मामलों में 14 केस दर्ज हैं। इसमें चार मामले में आरोपी वांटेड था। शनिवार को पुलिस और वन विभाग को यह सूचना मिली थी कि देवाशीष अपने घर के अंदर है, जिसके बाद सावधानी पूर्वक टीम ने छापेमारी की और वहां से देवाशीष को गिरफ्तार किया। साथ ही साथ दो बंदरों को भी रेस्क्यू कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम को पता चला कि देवाशीष पॉल ने बिना विभाग की अनुमति के अपने घर में दो बंदरों को रखा है। विभाग और पुलिस की टीम 15 अप्रैल को बंदरों को रेस्क्यू करने के लिए देवाशीष पॉल के घर पहुंची थी। पुलिस और विभाग की टीम ने घर का मेन गेट खुलवाने के लिए कई बार कोशिश की, लेकिन गेट नहीं खोला गया। मुख्य गेट खोलकर कोई अंदर नहीं आ सके, इसके लिए देवाशीष ने उसमें तार का जाल बिछाया और उसमें करंट दौड़ दिया था। हालांकि रेस्क्यू टीम ने लाठी डंडे से उस तार को हटाया और घर के अंदर घुस गई थी। लेकिन पॉल उस समय पुलिस पर हमला कर बंदरों को लेकर फरार हो गया था।

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र की तैयारी, पहला अनुपूरक बजट होगा टेबल

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र का समय अब नजदीक आ चुका है। इस वित्तीय वर्ष में 22 जुलाई से सत्र शुरू होने की संभावना जतायी जा रही है। यह सत्र 27 जुलाई तक चल सकता है। इस दौरान कुल पांच कार्य दिवस होंगे। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दे लाए जाएंगे। यह सत्र बेहद खास होगा। क्योंकि प्रथम अनुपूरक बजट से पता चलेगा कि राज्य सरकार किस सेक्टर पर विशेष फोकस करने जा रही है। इस दौरान आदिवासी हितों की रक्षा, खनन और पर्यावरण, साइबर अपराध के निवारण से जुड़े विषयों पर विधेयक लाए जा सकते हैं। प्रक्रिया के तहत संसदीय कार्यमंत्री सत्र से जुड़ा प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजते हैं। सब कुछ ठीक रहने पर मुख्यमंत्री के पहल पर प्रस्ताव को कैबिनेट में लाकर पारित कराया जाता है। फिर राज्यपाल की सहमति के लिए भेजा जाता है।

साल 2024 में झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 26 जुलाई से शुरू हुआ था जो 2 अगस्त तक चला था। उसमें कुल छह कार्य दिवस थे। बजट सत्र के बाद आयोजित मानसून सत्र में 29 जुलाई को सरकार ने अनुपूरक बजट पेश किया था। अनुपूरक बजट पर 30 जुलाई को चर्चा हुई थी। पिछले साल चुनावी वर्ष की वजह से विपक्ष ने भ्रष्टाचार, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से संथाल में बदल रही डेमोग्राफी को लेकर सरकार को घेरने की पूरी कोशिश की थी।

हेमत सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पहला मानसून सत्र होगा। सत्र को लेकर पक्ष-विपक्ष दोनों ने तैयारी कर रखी है। विपक्ष के पास कई मुद्दे हैं जिस पर वो सरकार को सदन में घेरने का काम करेगी। वहीं सरकार भी विपक्ष की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वो विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देने को तैयार है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह तय है कि आगामी मानसून सत्र हंगामेदार तो होगा ही, साथ ही कई मुद्दों को लेकर पक्ष और विपक्ष में टकराव के आसार हैं। बीजेपी लगातार सरकार को डीजीपी, भ्रष्टाचार, भाषा विवाद, सरकार पदों पर बहाली समेत कई अन्य मामले को लेकर घेरती रही है। बीजेपी के मौजूदा रवैया को देखते हुए यह साफ दिख रहा है कि आगामी सत्र में भी वो इन मुद्दों को लेकर सरकार को बख्शने वाली नहीं है।

सुभाषितम्

काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती।

- कालिदास

अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला

ईरान और इजरायल की जंग में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर देर रात बी 2 बांबर बम से हमला करके भारी तबाही मचाई है। अमेरिका ने ईरान और इजरायल युद्ध के लिए बी 2 बॉम्बर, पनडुब्बी मिसाइलों के जरिए सुनयोजित रूप से ईरान पर हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोरडो, नतांज और इसफहान पर विनाशकारी हमले का दावा करते हुए कहा है, कि यह हमला शांति के लिए किया गया है। अमेरिका के इस जंग में कूदने के बाद तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई है। ईरान सरकार ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा है, ईरान अब चुन-चुन कर अमेरिकी ठिकानों पर सीधे हमले करेगा। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों के माध्यम से भारी बमबारी शुरू कर दी है। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी नौ सैनिक बेडे. तथा फ्रांस के जहाजों को निशाने पर ले लिया है। इन पर कभी भी ईरान का भारी हमला हो सकता है। ईरान इस समय डू एंड डाई की आक्रामक मुद्रा में है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने तीन उत्तराधिकारी घोषित करके अपने तेवर बता दिए हैं। उनके आक्रामक तेवर देखकर पता चलता है कि ईरान इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक लेकर जाएगा। ईरान और इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूद जाने के बाद सारे विश्व में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारे विश्व में अपनी बादशाहत कायम करना चाहते हैं। वह जिस तरह का व्यवहार दुनिया के अन्य देशों के साथ कर रहे हैं। उसके बाद चीन-रूस जैसे शक्तिशाली देश अमेरिका को पहले ही चेतावनी दे चुके थे। युद्ध में यदि अमेरिका कूदेगा, ऐसी स्थिति में चीन और रूस खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े होंगे। सारी दुनिया के देशों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादागिरी कर रहे हैं। उसको लेकर दुनिया के देशों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध बढ़ता चला जा रहा है। यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि चीन और रूस खुले रूप से ईरान के पक्ष में न केवल खड़े होंगे वरन जरूरत पड़ने पर वह ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में खुद भी कूद जाएंगे। अमेरिका जिस तरह से पूरी दुनिया का दादा बनना चाहता है। चीन, रूस समेत कई देशों को अमेरिका की यह दादागिरी बर्दाश्त नहीं है। इस कारण तृतीय विश्वयुद्ध जैसी संभावना बनती दिख रही है। ऐसी स्थिति में रूस-चीन और उत्तर कोरिया के ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में उतरने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिका अपने खुद के मकडजाल में पूरी तरह से फंस गया है, जिससे निकलने का रास्ता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं मिल रहा है। ईरान ने जिस तरह से इजराइल पर हमला करके इजराइल के अस्तित्व को संकट में डाल दिया था। ऐसे समय पर यदि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजराइल के पक्ष में नहीं उतरते और इजराइल का अस्तित्व संकट में पड़ता तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका की वैश्विक शक्ति को लेकर एक प्रश्न चिन्ह लगता। अब अमेरिका खुद युद्ध में कूद गया है। जिसकी प्रतिक्रिया के रूप में अब चीन-रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश अमेरिका की दादागिरी को रोकने और स्वयं चीन एक महाशक्ति के रूप में अपने आप को स्थापित करने के लिए इस युद्ध में शामिल होना उनके लिए भी अनिवार्य हो गया है। इस कारण तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत हैं।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो। आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है। संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है। पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है। अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है।

मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

- गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ.देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ.परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था। 2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया।और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र ह्रस्वह्न को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं। चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं। भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं झ इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा। पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

- योगेश कुमार गोयल

5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे। 1890 में कुबर्तिन ने यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत देश आत्मनिर्भर है और किसी आतंकी हमले को नहीं सहेगा

- संजय गोस्वामी

आज हमारे देश की ताकत भगवान राम जी के आदर्श हैं उन्होंने शांति से जीना भी सिखाया, और नारी सम्मान के लिए युद्ध करना भी सिखाया, हमारा देश किसी भी अपने मामले में किसी दूसरे देश की दखलअंदाजी बिलकुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ देश 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है और आतंकवादी घटना बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ बात प्रधानमंत्री मोदीजी ने जी -7 सम्मलेन पर कहा, इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुपी साध ली और लंच पर बुलाया लेकिन मोदीजी ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि ट्रम्प ने दोनों देशों को एक ही नजरिये से ट्रेड का बहाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीफ लंच करने गए इससे ऐ सिद्ध होता है अमेरिका पर भरोसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है इसका हमेशा पुराना इतिहास रहा है भारत के लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को हटाया है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो कारगिल युद्ध में सेटेलाइट इमेज माँगा था जो अमेरिका ने देने से मना कर दिया ऐ तो भारत के सेना का जज्बा था कि कारगिल युद्ध में विजय रहा भारत के जवान हमारे वैज्ञानिक हमारे देश के नायक हैं जिन्होंने अमेरिका के दबाब में भी 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया और भारत परमाणु संपन्न देश है जो ना तो किसी से डरेगा ना ही किसी के लालच में पड़ेगा क्योंकि भगवान राम का आशीर्वाद है।भारत देश ना तो किसी से डरा है ना किसी की चापलूसी की प्रधानमंत्री से साफ कह दिया आतंकवादी को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जायेगा भारत पाकिस्तान पर भारी पड़ा और पाकिस्तान ने ही युद्ध रोकने की कोशिश की थी और प्रधानमंत्री जी ने चीजफायर कराता मोदीजी हमेशा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर लगे है हमारी शक्ति को दुनिया ने देखी है हम भारतीय दुश्मन को मार सकते है चाहे शहीद क्यों ना होना पड़े और जब 140 करोड़ भारतीय आतंकी के खिलाफ लड़ेंगे तो उसे मिट्टी में मिला देंगे भारत परमाणु संपन्न देश है और डी आर डी ओ, इसरो, ब्रह्ममोश और कई ऐसी मिसायल टेक्नोलॉजी की कंपनी है जो विश्व स्तर का मिसाइल सिस्टम है हम लोग देश के लिए मर मिटने वाले में से है लेकिन गुलामी या आतंकी पसन्द नहीं है इसलिए अंग्रेजो को हराया आखिर मोदीजी क्यों नहीं गए ट्रम्प के बुलावे पर क्योंकि अब वो भारत नहीं है जो आतंकवादी हमले पर चुप वैठने वाला है ऐ वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविंद सिंह और कई वीर योद्धाओ का देश है जो शहीद होना पसंद करेगा लेकिन आतंकी के खिलाफ झुकना नहीं और उसे युद्ध माना जायेगा ऐ प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है पाकिस्तान के परमाणु बम पर दूसरे देश जो डिनर पर बुलाते है उसका नियंत्रण है जबकी हमारी ताकत किसी दूसरे देश पर बिल्कुल निर्भर नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओ ने पाकिस्तान को जबरदस्त सिकस्त दि थी ऐ दुनिया ने देखा है जहाँ तक इजराइल और ईरान के युद्ध का सवाल है इसमें भारत ने किसी का पक्ष नहीं रखा है जबकी ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन सामने आ गए हैं ऐ ट्रम्प महोदय केवल युद्ध भड़का रहें है और दूसरे के घर में बेबजह झाँक कर खुद ही मजाक के पात्र बन गए है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन आर्थिक दृष्टि से शुभ रहेगा। आपकी मेहनत का फल धन लाभ के रूप में प्राप्त होगा।

तुला आज आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वृषभ आज आर्थिक स्थिति में स्थिरता आएगी। कोई अधूरी डील पूरी हो सकती है।

वृश्चिक कुछ नई योजनाएं बन सकती हैं, विशेषकर यदि आप व्यवसाय विस्तार के बारे में सोच रहे हैं।

मिथुन नए स्रोत खुल सकते हैं, डिजिटल या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से कमाने वालों के लिए दिन अनुकूल है।

धनु आज नौकरीपेशा लोगों को वेतन या प्रमोशन की अच्छी खबर मिल सकती है।

कर्क आज भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए धन आगमन के योग शुभ योग बने हैं।

मकर आज भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए आकस्मिक लाभ की संभावना है।

सिंह धन लाभ की संभावना बन रही है, खासकर अगर आपने किसी लॉन्ग टर्म फंड में निवेश किया है।

कुंभ आज दिन दिन संपत्ति या घर की मरम्मत में खर्च हो सकता है और आपका काफी खर्च हो सकता है।

कन्या शेयर, म्यूचुअल फंड या सरकारी योजनाओं में निवेश करने का विचार कर सकते हैं।

मीन आज धन संचित करने का अच्छा अवसर है। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन सकारात्मक है।

विशेष

परिसीमन पर उत्तर भारत और दक्षिण भारत के राज्य आमने-सामने

जनगणना की अधिसूचना जारी होने के बाद से परिसीमन को लेकर एक बार फिर दक्षिण बनाम उत्तर भारत की बहस छिड़ गई है। दक्षिण के राज्य परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा की सीटों का परिसीमन हुआ था। अब तीन गुना आबादी उसके बाद से बढ़ गई है। उत्तर भारत की आबादी सबसे ज्यादा बढी है। 1971 की जनगणना के मानक के आधार पर परिसीमन होगा। तो दक्षिण के राज्यों की सीटें बहुत कम हो जाएगी। उत्तर भारत की सीटें बढ़ जाएगी। इसको लेकर दक्षिण भारत और उत्तर भारत के बीच का विवाद चरम पर पहुंच गया है। इसको लेकर भविष्य में क्या होगा। कहा नहीं जा सकता है। दक्षिण और उत्तर भारत के राज्य दो भागों में जरूर बंटते हुए दिख रहे हैं। जिसके कारण राजनीतिक हलचलें बढ गई हैं।

मोदी और ट्रंप की फोन पर हुई बातचीत विवादों में

भारत सरकार के विदेश सचिव ने दावा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच में 35 मिनट टेलीफोन पर वार्ता हुई है। जिसमें कहा गया था, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को बताया था। पाकिस्तान के अनुरोध पर भारत ने सीजफायर किया था। भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्ता की बात नहीं की है। इसके बाद ट्रंप की ओर से जो बयान जारी हुआ। वह भारतीय दावे से अलग था। ट्रंप बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्ता उन्होंने कराई है। जिसको लेकर विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप क्यों मोदी के विरोध में हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1532 इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम और फ्रांस नरेश फ्रांसिस प्रथम ने रोम के खिलाफ आपसी समझौता किया. 1672 फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए रोम और ब्रैंडनबर्ग ने गठबंधन किया. 1757 सिराजुद्दौला और अंग्रेजों के बीच प्लासी का युद्ध हुआ. 1848 फ्रांस में श्रमिकों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए. 1934 सऊदी अरब और यमन ने छह सप्ताह के संघर्ष के बाद संघर्ष विराम हुआ था. 1950 कर्नल अब्दुल गमाल नासिर मिस्त्र के राष्ट्रपति चुने गए. 1953 श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन. 1980 संजय गांधी की मौत विमान दुर्घटना में हुई. 1985 एयर इंडिया का जम्बो जेट कनिष्क 329 यात्रियों सहित अटलांटिक महासागर में गिर पड़ा. 1989 मुस्लिम विद्रोहियों ने काबुल पर राकेटों से हमले किए, जिसमें सैकड़ों लोग हताहत हुए.

दैनिक पंचांग

23 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.00 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	09.16 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.28 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.54 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.10 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	22.01 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.34 बजे से
राहुकाल		मेष	01.05 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	02.45 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.43 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 174 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 22.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 15.17 बजे को समाप्त।
योग धृति 13.17 बजे को समाप्त।
करण गर 11.47 बजे तदनन्तर वणिज 22.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872384
जूलियन दिन 2460849.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

ग्रामीण समाज तकनीक में महारत

हमारे दूर-दूर के गांवों में कितनी तकनीकी प्रतिभाएं छिपी हुई हैं और अनुकूल अवसर मिलने पर इस क्षमता के कितने अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, इसके अनेक बेहतरीन उदाहरण राजस्थान के इस ब्लाक के गांवों में देखे जा सकते हैं। क्षेत्र चाहे सौर ऊर्जा का हो या जल संरक्षण का या दस्तकारों को बाजार की नई जरूरतों के अनुकूल ढालने के प्रयास हो या शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों का, विविध किस्म के कार्यों में यहां साधारण ग्रामीणों ने असाधारण काम कर दिखाया है।

गिरिराज एक मूक-बधिर गांववासी हैं, जो एक समय पूरी तरह उपेक्षित जीवन जी रहे थे। पर आज वे न केवल स्क्रीन प्रिंटिंग का कार्य बहुत अच्छी तरह से सीख चुके हैं। अपितु अनेक युवाओं को प्रशिक्षण भी दे चुके हैं।

लीला ने औपचारिक स्कूली शिक्षा तो बहुत कम प्राप्त की है पर सौर ऊर्जा का कार्य इतनी अच्छी तरह सीख लिया है कि वह अनेक लोगों को इसका प्रशिक्षण दे चुकी है व अनेक गांवों में सोलर सिस्टम लगा भी चुकी है। उधर उसकी सहेलियां सीता व श्यामा ने पेराबॉलिक सोलर कुकर को लगाने व इसका उपयोग सिखाने की क्षमता प्राप्त कर ली है।

लक्ष्मण एक विकलांग कम पढ़े-लिखे गांववासी हैं जिन्होंने अब टेलीफोन एक्सचेंज आपरेट करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। यह सब उदाहरण है अजमेर जिले के सलोरा (किशनगढ़) ब्लाक के गांवों के हैं।

इन छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य किया है सामाजिक कार्य और अुसंधान केंद्र नामक एक स्वैच्छिक संस्था ने। इसे बेयरफुट कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। इस संस्था का गहरा विश्वास है कि कम पढ़े-लिखे और औपचारिक प्रशिक्षण से वंचित बहुत से ग्रामीणों में भी अपने आसपास की समस्याओं की गहरी व्यावहारिक समझ होती है और अवसर मिलने पर वे ऐसा बढ़िया समाधान दे सकते हैं जो ऊंची डिग्री वाले शहरी बाबू भी नहीं दे सकते। इतना ही नहीं, नवीनतम उच्च तकनीक को भी एक व्यावहारिक स्तर पर अपनाने और अपनी जरूरतों के अनुसार उसका उपयोग करने की अनेक ग्रामीणों की क्षमता उससे कहीं अधिक है जितना कि आमतौर पर समझा जाता है। केंद्र के अनेक प्रयोगों से यह सिद्ध हुआ है कि ग्रामीण युवाओं को जब ऐसी जिम्मेदारियां दी गई तो उन्होंने उम्मीद से भी अधिक सफलता प्राप्त की।

उदाहरण के लिये सौर ऊर्जा का क्षेत्र अभी हमारे अधिकांश ग्रामवासियों के लिये एक नया और अपरिचित क्षेत्र है. किंतु तिलोनिया गांव में स्थित लगभग साठ हजार वर्ग फीट पर फैला हुआ इस संस्था का नया परिसर लगभग पूरी तरह सौर ऊर्जा चलित है। यहां रोशनी,काफी गहराई से पानी खींचने के पंप तथा अनेक कम्प्यूटरों के परिचालन की व्यवस्था सौर ऊर्जा द्वारा आसपास के गांवों से आए संस्था के सदस्य ही करते हैं। संस्था द्वारा संचालित

अनेक रात्रि पाठशालाओं और फील्ड केंद्रों में सौर ऊर्जा का प्रकाश फैलाने तथा सौर लालटेनों को बनाने का कार्य भी उन्होंने किया है। इस नई तकनीक के क्षेत्र में कुछ परामर्श तो समय-समय पर बाहरी विशेषज्ञों से प्राप्त करना ही पड़ता है और उसमें समय-समय पर कई समस्याएं भी आती रहती हैं, किंतु फिर भी जितनी कुशलता से ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने इस नई तकनीक को संभाला और अपनाया है उसे देखकर कई विशेषज्ञ स्वयं चकित रह जाते हैं। इससे भी अधिक उल्लेखनीय कार्य यहां के कुछ कार्यकर्ताओं ने इस तकनीक को लद्दाख के बहुत दूर-दराज का उन बहुत ऊंचे दुर्गम गांवों में जहां साधारण बिजली पहुंचने की उम्मीद अभी कई वर्षों तक नहीं पहुंचाकर किया है। यह कार्य लद्दाख के युवाओं के सहयोग से किया गया। ऐसे अनेक लद्दाखी युवा तिलोनिया स्थित संस्था के कार्यालय में आए व वहां उन्होंने सौर ऊर्जा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। लद्दाख में यह कार्य आगे बढ़ाने के लिए लेह में संस्था का एक उप-केन्द्र भी स्थापित किया गया। अरूणाचल प्रदेश व सिक्किम के कुछ दुर्गम गांवों को भी सौर ऊर्जा से प्रकाशित किया गया है।

वर्ष 1972 में तिलोनिया गांव में कार्य आरंभ करने के समय से ही गांवों में पेयजल की संतोषजनक उपलब्धि इस संस्था का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। इस कार्य में भी स्थानीय ग्रामवासियों की प्रतिभा को आगे लाने का भरसक प्रयास संस्था ने किया है। हैंडपंप की मरम्मत के लिये पहले राजस्थान में एक जटिल और खर्चीली व्यवस्था थी जिसके अंतर्गत कभी-कभी तो छोटे से कार्य के लिये दूरदराज से सरकारी कर्मचारियों का दल कार में बैठकर आता था। केंद्र ने अनुभव किया कि इनमें से अधिकांश मरम्मत कार्य तो गांव के ही प्रशिक्षण प्राप्त लोग ही कर सकते हैं। पांच कि.मी. क्षेत्र के लगभग 30 हैंडपंप की देखरेख जो गांववासी (पुरूष या महिला) कर सके, उनका चुनाव कर संस्था द्वारा उसे हैंडपंप मिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। उनके इस अनुभव को बाद में पूरे राजस्थान में दोहराया गया।

श्रीपद्धति से बढ़ेगा धान उत्पादन

खरीफ फसलों में धान प्रदेश की प्रमुख फसल है, जो कि 80 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती है। भारत धान पैदा करने वाले देशों में क्षेत्रफल के हिसाब से प्रथम स्थान पर है तथा चीन का दूसरा स्थान है। परंतु पैदावार की दृष्टि से चीन प्रथम स्थान पर है। जहां चीन का उत्पादन 8.88 टन प्रति हेक्टेयर है, वहीं हमारे देश का उत्पादन केवल 2.93 टन हेक्टेयर पर अटका हुआ है। जबकि धान का कटोरा के नाम से विख्यात छत्तीसगढ़ राज्य का औसत उत्पादन निराशाजनक (0.90) टन स्तर पर बनाहुआ है। जिसे बढ़ाने की महती आवश्यकता है। इसके लिये हमें धान की फसल की सघन उत्पादन की नयी तकनीक (श्री पद्धति) अपनाना है। जिससे हमें 7 से 8 टन उत्पादन प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो सकता है।

नर्सरी की तैयारी

इस विधि से एक हेक्टेयर क्षेत्र की रोपाई के लिये 100 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है। इसके लिये 5 किलो बीज लगाना पड़ता है। नर्सरी तैयार करने के लिये पॉलीथिन या जूट बैग के स्तर को समतल जमीन पर बिछाकर बारीक मिट्टी एवं गोबर खाद को (2:1) के अनुपात में मिलाकर 4 से 5 सेमी. मोटी परत बनाये, इसके ऊपर धान के बीजों को छिड़क दें, तथा हल्की बारीक मिट्टी से ढंक दे, इसके पश्चात धान के पुआल से ढककर हजारे से सिंचाई करें, 2-3 दिन पश्चात धान में अंकुरण होते ही पुआल को हटा लें एवं नर्सरी को नम बनाये रखने के लिये आवश्यकतानुसार सिंचाई करे, जब नर्सरी 12 से 14 दिन की हो जाये तो रोपाई करें।

खेत की तैयारी

देशी हल से 4-5 बार अच्छी जुताई कर प्रचलित विधि से हल्की मचाई कर पाटा चलाकर समतल करे. खेत की तैयारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि खेत में पानी कहीं भी भरा न रहे, इसके बाद रस्सी के सहारे 25×25 सेमी. की दूरी पर रोपाई करें।

किस्मों का चयन

हल्की भूमि के लिये कलिंगा, वनप्रभा, अंजली, तुलसी, पूर्णिमा, भारी (मटासी) भूमि के लिये आई.आर.36,64 क्रान्ति, महामाया, एम.टी.यू. 1010, 1001, स्वर्णा, मसूरी, सफरी 17,एच.एम.टी.बम्लेश्वरी आदि हैं.

रोपाई विधि

रोपड़ी पौधे इस प्रकार उखाड़ें कि उनके साथ बीज मिट्टी और जड़े बिना नुकसान के ज्यों की त्यों बाहर आ जाएं तथा इन्हें उखाड़ने के तुरन्त बाद तैयार खेत में इस प्रकार रोपित करें कि इनकी जड़ी गहराई में न जाये ऐसा करने से पौधे जल्दी लग जाते हैं। पौध से पौध की दूरी 25 से.मी. रखें।

उर्वरक प्रबंधन

10 से 12 टन गोबर अथवा कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर 260 किलो यूरिया, 800 किलो स्फुर, 67 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश देना चाहिए। उर्वरक के रूप में 250 किलो इफको 12:32:16 तथा 195 किग्रा. यूरिया की आवश्यकता होती है। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के पूर्व खेत की जुताई के समय देना चाहिए, शेष यूरिया को तीन भागों में बांटकर 25 प्रतिशत कंसा भरते समय, 50 प्रतिशत गभोट के समय, 25 प्रतिशत मात्रा खड़ी फसल में दें।

जल प्रबंधन

खेत में नमी रखे, किंतु पानी भरा हुआ न रखे प्रत्येक 2 मीटर के अंतराल पर जल निकास के लिए एक फूट गहरी नाली बनाये, खेत में प्रत्येक 12 दिनों के अंतराल पर 2-3 दिनों के लिये सूखा रखे, जिससे जड़ी एवं कंसों का विकास हो।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार के लिये 21 दिन बाद पहली निंदाई तथा 40 दिन बाद दूसरी निंदाई अवश्य करना चाहिए। जहां निंदाई की सुविधा नहीं है वहां नींदा नाशक दवा का उपयोग करे, ब्यूटाक्लोर (50 ई.सी.) को 3-4 लीटर या पेण्डीमिथालिन (30 ई.सी.) 3.3 लीटर मात्रा जमाव के 1-2 दिन के अंदर प्रयोग करें। इसके बाद 2-4 डी सोडियम साल्ट 625 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करे। इसका प्रयोग धान की रोपाई के एक सप्ताह बाद करना चाहिए।

जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

✦ मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.

✦ उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।

✦ खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें :

मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

नमूना लेने का तरीका

✦ पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।

✦ प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।

✦ प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।

✦ एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।

✦ प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।

✦ साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।

✦ हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।

✦ एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।

पपीते को दें प्रबंधन की खुराक

जलवायु

पपीता की बागवानी के लिये गर्म और नम जलवायु अधिक उपयुक्त होती है. लू और पाले से पपीते को काफी नुकसान होता है। नर्सरी के लिये शीतोष्ण व समशीतोष्ण जलवायु अनुकूल होती है।

भूमि का चुनावः पपीते की अच्छी पौध उत्पादन के लिये अच्छे जल निकास वाली भूमि जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7 हो सर्वोत्तम रहता है।

उन्नत किस्में

पपीते की खेती औद्योगिक रूप से पपेन एंजाइम उत्पादन के लिए की जाती है व इन्हें पपेन किस्म कहते हैं। इसी तरह काटकर खाने वाली पपीते की किस्मों को टेबल किस्में कहते हैं। पपेन प्रमुख किस्में- सी.ओ.5, सी.ओ. 6 हैं.

टेबल किस्में

हनीड्यू, पूसा मेजेस्टी, पूसा जाइंट, सनराइज सोली , सी.ओ.7 (यह संकर किस्म हैं), सूर्या

ताईवान किस्में

यह टेबल किस्में हैं जो ताइवान से आयातित संकर पपीता की किस्में हैं इनमें यू नम्बर-1 (784), रेड लेडी (786), सनराइज (783), तायनुंग-1 (761), तायनुंग-2 (785), तायनुंग-3 (782), ताइवान किस्मों में उभयलिंगी व मादा पौधों की अधिकता होती है।

बीज की मात्रा

एक ग्राम पपीते के बीज में 70 से 75 बीज होते हैं जो कि संकर किस्मों में पाये जाते हैं। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिये 500 ग्राम व संकर किस्मों (ताइवान) के लिए 200 ग्राम बीज पर्याप्त होता हैं।

बीजोपचार

बीज जनित रोगों से बचाव व अच्छे अंकुरण के लिये बीज को बुवाई से पूर्व 15 मिनिट कपड़े में बांधकर रखें व 10 मिनिट अखबार पर फैलाकर सुखाएं। बीज थोड़ा सूखने के बाद 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति-10 ग्राम बीज पर लगायें। बीज के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिये जिवरैलिक अम्ल (100 पी.पी.एम.) के घोल से 8 घंटे उपचारित करना उपयोगी रहता है।

बीज बुवाई

उपचारित बीजों को क्यारियों या 150 गेज वाली प्लास्टिक की थैलियों (20 × 15 से.मी.) जिनमें दो भाग मिट्टी व एक भाग सड़ी गोबर के खाद अथवा वर्मी कम्पोस्ट का मिश्रण तैयार करके थैलियों को भरें । 150 किलो मिश्रण में 250 ग्राम सुपरफास्फेट व 10 ग्राम बाविस्टीन मिलाना चाहिये। बीज को आधा इंच गहराई में बोएं व पानी झारे से डालें।

रूट ट्रेनर में बुवाई

आजकल पौध तैयार करने के लिए विशेष प्रकार की प्लास्टिक ट्रे बाजार में मिलती है. जिन्हे रूट ट्रेनर कहते हैं। इसमें साढ़े चार से.मी. व्यास के 74 से 82 प्लास्टिक कप एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। इन कपों में मिट्टी, वर्मी कम्पोस्ट व बारीक बालू का मिश्रण भरकर एक-एक बीज बो दिया जाता है। अंकुरण पश्चात जब पौधे रोपने लायक ऊंचाई के हो जाते हैं तब इन्हें ट्रे से मिट्टी की पिंडी सहित निकालकर थैलियों में रोप दिया जाता है।

बीज का अंकुरण बीज लगाने के 15 दिनों बाद होता है। क्यारियों अथवा थैलियों में पौधे 5 से 7 से.मी. बड़े होने पर उन्हें अन्य थैलियों में बदल देना चाहिये। इस प्रकार खेत में रोपाई पूर्व दो बार बदलने से पौधों की ऊंचाई अधिक नहीं हो पाती है।

पौध संरक्षण

पौधों को अंकुरण पश्चात प्रारंभिक अवस्था में कीटों, तेज हवा व वर्षा से बचाने के लिए चारों ओर प्लास्टिक की चादर अथवा ग्रीन नेट से आच्छादित कर दें. प्लास्टिक की चादर का इस्तेमाल करने पर इसे रात के समय एक तरफ से हटा दें.

आर्द्रगलन

इस रोग में पौधे अंकुरण के पश्चात अचानक नीचे गिर जाते हैं अथवा बीज का सही अंकुरण नहीं हो पाता है. इसकी रोकथाम हेतु पौधशाला की मृदा को फार्मेल्डिहाइड 2.5 प्रतिशत घोल से उपचारित करें व पौध को थैलियों में रोपण से पूर्व बाविस्टीन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करें.

रस चूसक कीट

माहू, फुदका, सफेद मक्खी - ये कीट पौधशाला में पत्तियों से रसचूसकर पौधों को कमजोर करते हैं साथ ही विषाणु जनित रोगों का फैलाव भी करते हैं. नियंत्रण हेतु डायमिथिएट अथवा मिथाइल डेमेटान एक मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर 20 दिन के अंतराल से छिड़काव करें.

मिडिल ईस्ट में तनाव से भारतीय कंपनियों में हाहाकार, नौकरियों पर संकट! सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बीच भू-राजनीतिक तनाव ने भारतीय कंपनियों को भी प्रभावित किया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने या अपने कर्मचारियों की संख्या में कमी करने का फैसला किया है। स्टाफिंग समाधान और मानव संसाधन सेवा प्रदाता जीनियस कंसल्टेंट्स की

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।

2,006 कर्मचारियों पर आधारित है सर्वे– यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए कर्मचारी कदम उठा रहे हैं। 55 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि वे अपने कौशल को बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं, जबकि 31 प्रतिशत का कहना था कि वे नौकरी के नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

प्राइमरी मार्केट में आईपीओ की बारिश, इस हफ्ते खुल रहे है 14 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में एक बार फिर से बहार लौट आई है। इस हफ्ते कई दिग्गज कंपनियों के आईपीओ दस्तक देने जा रहे हैं। ऐसे में आईपीओ के जरिए शेयर बाजारों में निवेश करने वाले इंवेस्टर्स के लिए यह एक बड़ा मौका है। आइए एक-एक करके जानते हैं किन कंपनियों का आईपीओ इस हफ्ते खुल रहा है...

24 जून को खुल रहे हैं 3 बड़े आईपीओ– मंगलवार, 3 जून को शेयर बाजारों में 3 बड़े कंपनियों का आईपीओ खुल रहा है। मुंबई के रियल एस्टेट कंपनी कलपतरु का आईपीओ खुलेगा। कंपनी 1590 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास कर रही है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 387 रुपये से 414 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ के जरिए 852.53 करोड़ रुपये जुटाता नजर आएगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 380 रुपये से 400 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इन दोनों कंपनियों के अलावा ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स का आईपीओ भी खुल रहा है। कंपनी 119 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश में है।

म्यूचुअल फंड में झोकमझोंक पैसा, भारतीयों ने चेंज किया ट्रेंड, एक्सपर्ट ने किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वित्तीय बाजार में एक बड़ा बदलाव आया है। अनुभवी बैंकर उदय कोटक ने इस पर अपनी राय जाहिर की है। लोग अब बचत के बजाय वित्तीय बाजारों में निवेश कर रहे हैं। कोटक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत का बचतकर्ता अब निवेशक बन रहा है। उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड में लोगों का पैसा बढ़ रहा है। खासकर इक्विटी में। यह बैंकों में जमा पैसे का 31 प्रतिशत हो गया है। कोटक ने इसे वित्तीय व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव बताया है। इससे देश में निवेश के लिए पूंजी बढ़ रही है। इक्विटी में लोगों की रुचि बढ़ी है। हालांकि, उन्होंने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। उदय कोटक ने कहा है, हमें अत्यधिक उत्साह से सावधान रहना चाहिए।

कोटक के विचारों को फ्रैंकलिन टेम्पलटन की एक रिपोर्ट, आरबीआइ औरएएमएफआइ के आंकड़ों से समर्थन मिलता है। आंकड़ों से पता चलता है कि म्यूचुअल फंड में जमा पैसे का अनुपात बैंकों में जमा पैसे के मुकाबले धीरे-धीरे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2014-15 में यह 13 प्रतिशत था, जो वित्त वर्ष 2016-17 में 16 प्रतिशत हो गया। 2020-21 में यह तेजी से बढ़ा और 21 प्रतिशत तक पहुंच गया। बाद में 2023-24 में यह 26 प्रतिशत और 2024-25 में 29 प्रतिशत हो गया। मई 2025 तक म्यूचुअल फंड में जमा पैसा कुल बैंक जमा का 31 प्रतिशत है।

लोगों में क्यों आया है ये बदलाव– जानकारों का कहना है कि यह बदलाव लोगों में जागरूकता बढ़ने, डिजिटल पहुंच बढ़ने और इक्विटी से ज्यादा फायदा मिलने के कारण हो रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय परिवार अब अपनी संपत्ति को बाजार में निवेश कर रहे हैं।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने पिछले दस सालों में रूमें 20 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी की है। यह अमेरिका में देखी गई 8 प्रतिशत की ग्रोथ से कहीं ज्यादा है। उद्योग का रूमई 2025 तक 72.2 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक साल में ही इसमें 13.3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

म्यूचुअल फंड विदेशी निवेशकों के कारण होने वाले उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद कर रहे हैं। पिछले एक साल में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि एफपीआइ ने 3.1 लाख करोड़ रुपये निकाले। इससे पता चलता है कि म्यूचुअल फंड विदेशी निवेश में होने वाले उतार-चढ़ाव को संभालने में सक्षम हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेशकों की रुचि भारत के बड़े शहरों से आगे बढ़ी है। क्क5 शहरों का योगदान मार्च 2020 में 25 प्रतिशत था, जो मार्च 2025 तक बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया। इसी तरह, क्क30 शहरों का योगदान दिसंबर 2020 में 16 प्रतिशत था। यह मई 2025 में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया। मई 2025 में निवेशकों की कुल संख्या 5.49 करोड़ तक पहुंच गई। यह इक्विटी से जुड़े उत्पादों में लोगों की रुचि को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहे हैं म्यूचुअल फंड नविशक

पिछले एक साल में उद्योग ने 89 लाख नए निवेशकों को जोड़ा है। जबकि पिछले साल यह संख्या 78 लाख थी। पिछले 12 महीनों में सेक्टोरल और थीमैटिक फंड की सबसे ज्यादा बिक्री हुई है। मई 2025 में ज्यादातर इक्विटी श्रेणियों में सकारात्मक निवेश हुआ, जो इक्विटी से जुड़े उत्पादों में निवेशकों की रुचि को दर्शाता है।

उदय कोटक ने इस बदलाव को वित्तीय व्यवस्था में एक संरचनात्मक परिवर्तन बताया है। उन्होंने कहा कि इससे घरेलू जोखिम पूंजी का विस्तार हुआ है। इक्विटी कल्चर का निर्माण हुआ है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि हमें अत्यधिक उत्साह से सावधान रहना चाहिए। इसका मतलब है कि हमें सोच-समझकर निवेश करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के कई फायदे हैं। यह आपको कम पैसे में भी अलग-अलग कंपनियों में निवेश करने का मौका देता है। म्यूचुअल फंड को पेशेवर लोग चलाते हैं, जो बाजार की अच्छी जानकारी रखते हैं। इससे आपके पैसे डूबने का खतरा कम हो जाता है। हालांकि, म्यूचुअल फंड में निवेश करने में कुछ जोखिम भी होते हैं। बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव से आपके निवेश का मूल्य कम हो सकता है। इसलिए, म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले आपको अपनी वित्तीय स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करना चाहिए।

सरकारी स्कीम से 10 लाख का लोन लेकर शुरू किया काम, अब 220 करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। अनंत तांतेड़ मूल रूप से इंदौर के रहने वाले हैं। वह एक ऐसे उद्यमी हैं जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत से सफल फैशन ब्रांड खड़ा किया है। उनका परिवार पहले से ही कपड़ा व्यवसाय से जुड़ा था। लेकिन, अनंत ने अपना खुद का रास्ता बनाने का फैसला किया।

करीब 13 साल पहले 23 साल की उम्र में अनंत इस दिशा में बढ़ गए थे। उन्होंने सरकार की एक योजना के तहत 10 लाख रुपये का लोन लिया। इससे उन्होंने बेंगलुरु के कोरमंगला में द इंडियन गैराज कंपनी की शुरुआत की। शुरुआत में उनके साथ केवल चार लोग थे। आज, द इंडियन गैराज कंपनी एक बड़ा ब्रांड बन गया है। इसका टर्नओवर करीब 220 करोड़ रुपये है। बेंगलुरु में उनका 20,000 वर्ग फीट का ऑफिस है। उनकी टीम में 400 कर्मचारी हैं। द इंडियन गैराज कंपनी डिजाइनर-क्वालिटी के कपड़े किफायती दामों पर बेचती है। आइए, यहां अनंत तांतेड़ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

चुनौतियों का करना पड़ा सामना

भारतीय फैशन बाजार में, खासकर पुरुषों के कपड़ों के सेगमेंट में ब्रांड स्थापित करना कोई आसान काम नहीं था। शुरुआत में टीआईजीसी ने पुरुषों के कैजुअल परिधानों पर फोकस किया। इसमें शर्ट, टी-शर्ट और जीन्स जैसे उत्पाद शामिल थे। इस सेगमेंट में उन्हें बड़े ब्रांडों और पहले से स्थापित प्लेयर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। इसके लिए मार्केटिंग, क्वालिटी और डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार इनोवेशन की जरूरत थी।

ई-कॉमर्स का उठाया फायदा

अनंत तांतेड़ ने डिजिटल और ई-कॉमर्स की बढ़ती ताकत को पहचाना। उन्होंने अपने उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने पर विशेष ध्यान दिया। इससे उन्हें पूरे भारत में ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिली। यह रणनीति उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुई। कारण है कि इसने उन्हें पारंपरिक खुदरा स्टोर की बड़ी लागत से बचाया। साथ ही तेजी से बढ़ने का मौका दिया। समय के साथ द इंडियन गैराज कंपनी ने अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार किया। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के कपड़ों के सेगमेंट में भी कदम रखा।

मुकेश अंबानी के राइट हैंड ने 75 करोड़ की सैलरी छोड़ अपनाया साधु जीवन

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के करीबी सहयोगी प्रकाश शाह ने साधु जीवन अपना लिया है। सांसारिक जीवन से संन्यास लेने के लिए उन्होंने 75 करोड़ रुपये की सैलरी वाली नौकरी छोड़ दी। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर थे। प्रकाश शाह को मुकेश अंबानी का राइट हैंड माना जाता था। प्रकाश शाह ने 63 साल की उम्र में उन्होंने रिटायरमेंट लिया था। इसके तुरंत बाद उन्होंने दीक्षा ले ली। प्रकाश शाह और उनकी पत्नी नैना शाह ने महावीर जयंती के अवसर पर दीक्षा ग्रहण की। वह बहुत पहले ही दीक्षा लेना चाहते थे, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे कुछ समय के लिए टाल दिया था। दीक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति सादा जीवन जाता है। साथ ही वह मोक्ष पाने के लिए अच्छे कर्म करता है।

आईआईटी से की थी पढ़ाई– प्रकाश शाह ने केमिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने बॉम्बे से पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया है। उनकी पत्नी कॉमर्स ग्रेजुएट हैं। उनके दो बेटे हैं। उनके एक बेटे ने कुछ साल पहले दीक्षा ले ली थी। उनके दूसरे बेटे की शादी हो चुकी है और उनका एक बच्चा भी है।

रिलायंस के कई प्रोजेक्ट संभाले

रिलायंस इंडस्ट्रीज में काम करने के दौरान प्रकाश शाह ने कंपनी के कई बड़े प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक संभाला। उन्होंने जामनगर पेटकोक गैसिफिकेशन प्रोजेक्ट और पेटकोक मार्केटिंग जैसे बड़े प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पूरी जिम्मेदारी उठाई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिटायर होने का फैसला करते समय शाह 75 करोड़ रुपये का सालाना वेतन पा रहे थे।

अब कैसा है उनका जीवन

उन्होंने भौतिक सुख-सुविधाओं को त्याग कर आत्मिक शांति और मोक्ष की राह को चुना है। एक साधु के रूप में वह अब नंगे पैर चलते हैं। साधारण सफेद कपड़े पहनते हैं और भिक्षा पर जीवन यापन करते हैं। शाह अब 64 साल के हैं। उनका दीक्षा समारोह पूरी तरह से मुंबई के बोरीवली में आयोजित किया गया था।

टुकड़ों-टुकड़ों से बन गया 100 अरब डॉलर का मार्केट!

प्रॉपर्टी में निवेश करने का यह आसान तरीका, हर साल आ रही तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रियल एस्टेट का बाजार बदल रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के आने से प्रॉपर्टी के छोटे-छोटे हिस्से खरीदने का चलन बढ़ रहा है। इसे फ्रैक्शनल ओनरशिप कहते हैं। फ्रैक्शनल ओनरशिप का मतलब है कि आप किसी प्रॉपर्टी का एक छोटा सा हिस्सा खरीदते हैं। यह उन लोगों के लिए अच्छा है जिनके पास ज्यादा पैसे नहीं हैं, लेकिन वे रियल एस्टेट में निवेश करना चाहते हैं। यह तरीका आसान है और इससे अच्छी कमाई भी हो रही है। इसलिए, यह तरीका लोगों को पसंद आ रहा है। इस सेक्टर को फ्रैक्शनल रियल एस्टेट कहा जाता है।

ऑल्ट डीआरएक्स के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर मनीशील गौतम का कहना है कि

भारत में फ्रैक्शनल रियल एस्टेट का बाजार करीब 1 अरब डॉलर (करीब 86.50 अरब रुपये) का है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल लगभग 100 अरब डॉलर रियल एस्टेट में लगाए जाते हैं। लेकिन, डिजिटल रियल एस्टेट अभी शुरुआती दौर में है। रिटेल निवेशकों के लिए यह आसान हो रहा है। इसलिए इसमें हर साल 30-40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है।

अमेरिका में बूम– इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार अमेरिका में यह तरीका बहुत आगे बढ़ चुका है। गौतम ने बताया कि अमेरिका में टॉप कंपनियों ने टोकन और फ्रैक्शनल रियल एस्टेट में 4 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। इससे पता चलता है कि यह मॉडल कितना आगे जा सकता है।

भारत में क्या स्थिति

एनारॉक ग्रुप की प्रेसिडेंट अदिति वातवे का अनुमान है कि भारत में फ्रैक्शनल रियल एस्टेट का बाजार दो साल पहले 4,000 करोड़ रुपये का था। उनका मानना है कि यह हर साल 25-30 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। अगर सरकार के नियम इसे सपोर्ट करें तो यह अगले पांच सालों में 41,500 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है। पूरी दुनिया में यह सेक्टर इस साल 4.8 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा। इसमें हर साल 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। एचएनआई टेक-सेवी मिलेनियल्स और एनआरआई कर रहे हैं। इनमें युवाओं की संख्या भी काफी है। निवेशक मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर , हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों में प्रीमियम कमर्शियल प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं। फ्रैक्शनल ओनरशिप से वे ज्यादा पैसे लगाए बिना भी महंगी प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं। एनआरआई को यह मॉडल इसलिए पसंद आ रहा है क्योंकि भारत में किराए से अच्छी कमाई होती है और प्रॉपर्टी की कीमत बढ़ने की संभावना भी होती है।

ईएमएस लिमिटेड को मिला 104 करोड़ का ऑर्डर, अब सोमवार को शेयर पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफ्रा सेक्टर से जुड़ी कंपनी-ईएमएस लिमिटेड को यूपी जल निगम (अर्बन) से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह कंपनी यूपी जल निगम द्वारा शुरू की गई एक इंफ्रा स्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले (एल-1) के रूप में उभरी है। यह ऑर्डर 104.06 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का है।

प्रोजेक्ट के बारे में– यह प्रोजेक्ट आगरा जल आपूर्ति पुनर्गठन योजना (ट्रांस यमुना जोन-वन और) - पैकेज 1 का हिस्सा है। इस वर्क के दायरे में सर्वेक्षण, मिट्टी की जांच, इंजीनियरिंग, डिजाइन और निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए सभी जरूरी सामग्रियों और जनशक्ति की आपूर्ति शामिल है। यह कॉन्ट्रैक्ट 24 महीनों के भीतर पूरा होने वाला है। यह ऑर्डर पूरी तरह से घरेलू है।

शेयर का हाल– शुक्रवार, 20 जून को ईएमएस लिमिटेड के शेयर 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। अब सोमवार को शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। जून

2024 में शेयर 546 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,016.85 रुपये थी। इसकी शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 69.70 फीसदी हिस्सेदारी है। इसकी पब्लिक शेयरहोल्डिंग 30.30 फीसदी की है।

कैसे रहे कंपनी के तिमाही नतीजे

बीते दिनों ईएमएस लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च 2025 को समाप्त तीन महीनों में कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई और यह 46.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 47.38 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में इसकी कुल आय बढ़कर 272 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 246 करोड़ रुपये थी।

पूरे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ईएमएस ने मुनाफा में 20.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष में 152.66 करोड़ से बढ़कर 184 करोड़ हो गया। परिचालन से राजस्व पिछले वित्त वर्ष में 793.31 करोड़ से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 965.83 करोड़ हो गया।

दाल-तेल उत्पादन में हुई बढ़ोतरी, सांसदों की आयात पर चिंता के बीच सरकार का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बताया कि पिछले एक दशक में दालों और खाद्य तेलों के उत्पादन पहले की तुलना में तेजी से बढ़ा है। सांसदों ने मांग पूरे करने के लिए भारत की आयात पर निर्भरता को लेकर चिंता जताई । 20 जून को हुई समिति की बैठक में कृषि मंत्रालय ने बताया कि आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार काम हो रहा है।

आयात पर सालाना 80 हजार करोड़ रुपये हो रहा खर्च – कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर संसद की स्थायी समिति को दी गई एक प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि 2023-24 में खाद्य तेलों की घरेलू मांग में 56 प्रतिशत हिस्सा 15.66 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) आयात से पूरा हुआ। बताया गया कि खाद्य तेल आयात पर भारत की भारी निर्भरता के कारण सालाना 80,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है।

तिलहन उत्पादन में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई– मंत्रालय ने बताया कि 2014-15 से 2024-25 के बीच तिलहन उत्पादन में 55 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक बीते वित्त वर्ष में उत्पादन 426.09 लाख टन तक पहुंच गया है। तुलना करें तो 2004-05 से 2014-15 के बीच यह वृद्धि केवल 13 फीसदी थी।

सूरजमुखी और सोयबीन तेल आयात पर निर्भर – मंत्रालय ने बताया कि इस अवधि में सरसों और मूंगफली तेल की जरूरत देश में उत्पादित तेल से पूरी हो रही है, लेकिन सूरजमुखी तेल की खपत 3.55 एमएमटी के मुकाबले 3.49 एमएमटी का आयात करना पड़ा। सोयाबीन तेल की खपत का 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सा भी आयात से पूरा किया गया।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट

9वें टेस्ट शतक से चूके ब्रूक

प्रसिद्ध ने 99 पर किया आउट; इंग्लैंड का स्कोर 400 के पार

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी हेडिंग्ले टेस्ट का तीसरा दिन है। पहली पारी में भारत ने 471 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल 209/3 के स्कोर से शुरू किया है। हैरी ब्रूक अपने नौवें टेस्ट शतक से सिर्फ एक रन से चूक गए। प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया। वह 112 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के की मदद से 99 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

एफआईएच प्रो लीगः

भारत को बेल्जियम ने 3-6 से हराया

एंटवर्प, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को एंटवर्प में चल रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में बेल्जियम से 3-6 से हार गई। भारत की तरफ से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने गोल दागा। भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोल से वापसी की थी। वहीं, अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोल दागकर टीम को मैच में बनाए रखा था। मैच के आखिरी क्षणों में लगे 3 गोल की वजह से टीम इंडिया को 3-6 से हार का सामना करना पड़ा।

बेल्जियम के लिए आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल दागे। मैच के पहले मिनट के 20 सेकंड में बेल्जियम ने दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए। गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया, लेकिन आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। बेल्जियम की तेज शुरुआत की वजह से भारत पिछड़ गया। भारत ने

मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी। अपनी मजबूत तकनीकी क्षमता से उत्साहित, भारत ने दूसरे क्वार्टर में मुकाबले में अपनी जगह बनाई। शानदार स्टिक-वर्क के साथ, बेल्जियम के मैन-टू-मैन डिफेंस पर दबाव बनाया और लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर जीते। खेल के दौरान, बेल्जियम ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब हेंड्रिक्स ने हाफ-टाइम से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत शानदार तरीके से की, जिसमें उसने अपना मजबूत इरादा दिखाया। लेकिन, बेल्जियम ने धीरे-धीरे खेल पर फिर से कब्जा कर लिया। भारत को अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में एक घातक झटका लगा, जब रोमन डुवेकोट ने टॉम बून के कुशल रन के बाद करीब से गोल करके पेनाल्टी कॉर्नर के बाद बढ़त हासिल कर ली। अंतिम दस मिनट में खेल काफी रोमांचक रहा और विक्टर फाबर्ट के शानदार रन के बाद बेल्जियम ने फिर से गोल किया, जिससे थिब्यू स्टॉकब्रोक्स को आसानी से गोल करने का मौका मिला।

भारत की मुश्किलें तब भी जारी रहीं जब सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 हो गया। अमित रोहिदास ने एक महत्वपूर्ण पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की तरफ से तीसरा गोल किया। अंतिम कुछ मिनटों में टॉम बून ने बेल्जियम के लिए छठा गोल करके टीम को बड़ी जीत दिला दी।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास

वसीम अकरम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

सेना देशों में जसप्रीत बुमराह के विकेट्स

- साउथ अफ्रीका के खिलाफ- 38
- इंग्लैंड के खिलाफ- 40
- न्यूजीलैंड के खिलाफ- 6
- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ- 64

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली पारी में 471 रन बनाए, जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं हुई. जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में जैक क्रॉली (4) को आउट किया. हालांकि इसके बाद इंग्लैंड की पारी संभली, बेन डकेट और ओली पोप ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी की. इसे भी बुमराह ने तोड़ा, उन्होंने डकेट (62) को बोल्ड किया. जसप्रीत बुमराह ने ही इंग्लैंड की पारी का तीसरा विकेट भी चटकाया, उन्होंने जो रुट (28) को टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार अपना शिकार बनाया. दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं. अभी वे भारत से 262 रन पीछे हैं.

जसप्रीत बुमराह ने तोड़ा वसीम अकरम का रिकॉर्ड

सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज अब जसप्रीत बुमराह हैं. पहले ये रिकॉर्ड वसीम अकरम के नाम था, जिसे शनिवार को बुमराह ने तोड़ दिया. सेना देशों में साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देश आते हैं. जसप्रीत बुमराह के सेना देशों में 60 पारियों में 148 विकेट हो गए हैं. वसीम अकरम लिस्ट में पहले से खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए, उन्होंने सेना देशों में खेली 55 पारियों में 146 विकेट चटकाए हैं. 141 विकेट के साथ लिस्ट में अनिल कुंबले तीसरे और 130 विकेट के साथ इशांत शर्मा चौथे नंबर पर हैं.

बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, उनका सामना करना बहुत मुश्किलः डकेट

लीड्स, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट का मानना है कि जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और लाइट चालू होने पर जब वह दोनों तरफ से गेंद को स्विंग कराते हैं तो उनका सामना करना बेहद मुश्किल होता है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन 48 रन देकर तीन विकेट लिये जिसमें जो रूट का विकेट शामिल है। भारत के पहली पारी के 471 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बना लिए थे। तीसरे नंबर पर उतरे ओली पोप नाबाद 100 रन बनाकर किला संभाले हुए थे। डकेट ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, वह (बुमराह) दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। उनका सामना करना बेहद मुश्किल है, वह

किसी भी परिस्थिति में अच्छे हैं और लाइट चालू होने पर दोनों तरफ स्विंग करते हुए आते हैं तो उन्हें खेलना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'बिना किसी संकेत के तीन या चार अलग-अलग गेंदें फेंकने की उनकी क्षमता कमाल की है। आपको तब तक पता नहीं चलता कि वह बाउंसर, या धीमी गेंद, यॉर्कर, बाहर की ओर जाती स्विंगर या इनस्विंगर डाल रहे हैं, जब तक कि गेंद उनके हाथ से न निकल जाए। आपको उनके साथ गेंद को इतनी बारीकी से देखना पड़ता है कि उन्हें समझना बहुत मुश्किल हो जाता है। पोप की शतकीय पारी के बारे में उन्होंने कहा, 'वह (पोप) मैदान पर आते समय बहुत शांत था। मुझे नहीं पता कि उसके दिमाग में क्या था , लेकिन वह अपने खेलने के तरीके पर कायम रहा। डकेट ने कहा, 'इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है कि पहले ओवर में आने के बाद उस आक्रमण के खिलाफ़ शतक बनाना। आप इसे उसके जश्न मनाने के तरीके में देख सकते हैं, और यह सिर्फ़ उसके लिए ही नहीं, बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी बहुत मायने रखता था। मेरे रोंगटे खड़े हो गए थे। पिछले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में 171 रन बनाने के बावजूद पोप की टीम में जगह को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन दबाव में और तेज़ गेंदबाज बुमराह के खिलाफ शतक ने कम से कम कुछ समय के लिए आलोचकों को शांत कर दिया। डकेट ने कहा, 'हम ड्रेसिंग रूम में चीजों को रखने में बहुत अच्छे हैं, लेकिन जाहिर है कि आप इसके बाहर से शोर सुन सकते हैं। ड्रेसिंग रूम के बाहर शोर है, लेकिन इसके अंदर कोई शोर नहीं है। हम इस बारे में चर्चा नहीं कर रहे हैं कि कौन खेलने जा रहा है। यह बात बिल्कुल स्पष्ट लग रही थी कि अगर कोई खिलाड़ी कुछ सप्ताह पहले 171 रन बनाता है तो वह इस मैच में खेलेगा। पोप ने यह साबित करता है कि वह इंग्लैंड टीम में तीसरे नंबर पर क्यों उतरता है।

वैभव सूर्यवंशी को भी छोड़ा पीछे

भारतीय खिलाड़ी अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, लगाए 15 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में 35 गेंदों में शतक जड़ा था, जो लीग के इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है. वैभव से भी तेज शतक अभिषेक पाठक ने मध्य प्रदेश लीग में जड़ा, उन्होंने मात्र 33 गेंदों में अपनी संेचुरी पूरी की. पाठक ने इस विस्फोटक पारी में 90 रन तो सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. अभिषेक भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के बड़े फैन भी हैं और उनसे क्या सीखना चाहते हैं, वो भी मैच के बाद बताया. अभिषेक पाठक सूर्यकुमार यादव के फैन हैं, उनकी इस पारी को देखकर सूर्या भी उनकी तारीफ जरूर करेंगे. शनिवार को हुए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स टीम में शामिल अभिषेक ने करण तहलियानी के साथ पहले विकेट के लिए 178 रनों की साझेदारी की, 13 ओवर खत्म होने पर अभिषेक आउट हुए लेकिन इससे पहले वह गेंदबाजों की अच्छे से धुनाई कर चुके थे.

33 गेंदों में जड़ा शतक – अभिषेक पाठक ने 33 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, वह यही नहीं रुके बल्कि इसके बाद भी विस्फोटक पारी जारी रखी. उन्होंने 48 गेंदों में 133 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 15 छक्के और 7 चौके जड़े. यानी सिर्फ 90 रन तो उन्होंने छक्कों से ही बना डाले. अभिषेक ने दूसरे ही ओवर में 3 छक्के लगाने के बाद चौथे ओवर में रितेश शाक्या की गेंदों पर लगातार 4 छक्के जड़े. जबलपुर रॉयल लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन रितेश ने ही दिए, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में 53 रन खर्चे. अनुभव अग्रवाल ने 3 ओवरों में 43 रन दिए.

सूर्यकुमार यादव जैसा बनना चाहते हैं अभिषेक पाठक – मैच के बाद अभिषेक ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया. मैंने 16, 19 और 23 में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया. मैंने सईद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी खेला है, ये सफर शानदार रहा है. पिछले साल भी मैंने एमपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था, मुझे नहीं लगता कि जल्द ही आईपीएल में भी खेल पाऊंगा.

आईपीएल करियर में 0 रन बनाने वाले बल्लेबाज ने 12 छक्कों के साथ ठोके 156 रन

आईपीएल में एक भी रन नहीं और अमेरिका में चल रही एमएलसी में जब उतरा तो 12 छक्कों के साथ 156 रन ठोक डाले. हम बात कर रहे हैं 23 साल के ओपनर मिचेल ओवन की, जिन्होंने मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. नतीजा, ये हुआ कि वॉशिंगटन फ्रीडम को वो बेहतरीन शुरुआत मिली, जिसके दम पर आगे बढ़ते हुए उस टीम ने एमएलसी 2025 में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की. मतलब उसने लगातार तीसरी जीत की पटकथा लिखी. वॉशिंगटन फ्रीडम तीसरा मैच मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ 2 विकेट से जीता. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 188 रन बनाए थे. जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम ने 189 रन के लक्ष्य को 4 गेंद पहले ही 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इस तरह उसने एमएलसी 2025 में अब तक खेले 4 मैचों में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की. मतलब, वाशिंगटन फ्रीडम ने अपना सिर्फ पहला मैच ही गंवाया है.

एमएलसी 2025 में 12 छक्के के साथ ठोके 156 रन

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ वाशिंगटन फ्रीडम की जीत में मिचेल ओवन की अहम भूमिका रही. इस मैच में उन्होंने 230.76 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों में 60 रन ठोके, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ अब तक खेले 4 मैचों में मिचेल ओवन ने कुल 156 रन एमएलसी 2025 में बनाए हैं, जिसमें 12 छक्के शामिल रहे हैं.

आईपीएल करियर में अभी तक जीरो रन

मिचेल ओवन वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा था. पंजाब ने 3 करोड़ रुपये में ये डील की थी. हालांकि, मिचेल ओवन के आईपीएल करियर की शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी. उन्होंने आईपीएल में डेब्यू तो किया मगर उस मैच में वो खाता नहीं खोल पाए. मिचेल ओवन को बिना कोई रन बनाए ही डगआउट लौटना पड़ा. हालांकि, उस एक इनिंग ही आईपीएल 2025 में उनकी आखिरी इनिंग भी बनी. लेकिन, एमएलसी 2025 में मिचेल ओवन ने आईपीएल 2025 जैसा प्रदर्शन नहीं किया. बल्कि पारी की शुरुआत करते हुए अपनी टीम के लिए बेजोड़ बुनियाद रख रहे हैं. यही वजह है कि वाशिंगटन फ्रीडम की तीसरी जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में इस खूंखार रेसलर ने पूरे किए एक साल, यूएस चैंपियनशिप पर कर रहा राज

नई दिल्ली, एजेंसी। जैकब फातू डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन बनने के बाद से ही छाए हुए हैं। उन्हें फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। स्मैकडाउन में सोलो सिकोआ से भिड़ने के बाद अब वे अकेले ही मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक साल पूरा कर लिया है। 21 जून 2024 को उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई में एंट्री की थी। शुरुआत में उन्होंने सोलो सिकोआ और ब्लडलाइन के साथ मिलकर रोमन रेंस और ओजी ब्लडलाइन को खूब परेशान किया। फातू ने स्मैकडाउन में खूब नाम कमाया है। मनी इन द बैंक 2025 में उन्होंने सोलो सिकोआ पर हमला कर दिया था।

क्या था पूरा मामला

फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन के एपिसोड में सोलो सिकोआ और फातू के बीच लड़ाई और बढ़ गई। उनके बीच हाथापाई भी हुई।जेसी मेटो के सिकोआ के साथ मिलकर यूनाइटेड स्टेट्स चैंपियन पर हमला करने के बाद फातू कुछ देर के लिए कमजोर पड़ गए थे।तभी जिमी उसो फातू को बचाने के लिए दौड़े आए, जिससे ब्लडलाइन में एक और गृहयुद्ध की नींव पड़ सकती है।बिग जिम के दखल देने के बाद, फातू को वापसी करने और दोनों को हराने का अच्छा मौका मिल गया।

कनाडा ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा क्रिकेट टीम ने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अमेरिका क्वालीफायर के मेजबान ने बहामास के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपना स्थान सुनिश्चित किया, जो मौजूदा अभियान में उनकी लगातार पांचवीं जीत है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कलीम सना और शिवम शर्मा ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जिससे कनाडा ने बहामास को सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। इसके बाद इस छोटे से लक्ष्य को कनाडा के बल्लेबाजों ने सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया गया। कनाडा के बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप में भाग लेने के बाद कनाडा क्वालीफायर में आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में पहुंचा। निकोलस किर्टन की अगुवाई वाली कनाडाई टीम ने बरमूडा के खिलाफ 110 रनों से बड़ी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद केमैन आइलैंड्स के खिलाफ 59 रनों से जीत दर्ज की। फिर अगले मैच में बहामास को 10 विकेट से रौंदा। चौथे मैच में केमैन आइलैंड्स के खिलाफ आरामदायक जीत दर्ज की। अब अपने पांचवें मैच में लगातार जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। कनाडा अब उन 10 टीमों की सूची में शामिल हो गया है जो 20 टीमों के इस आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इसके साथ ही सह-मेजबान भारत और श्रीलंका भी इसमें शामिल हैं।

आंकड़ों के खेल में माहिर है ऋषभ पंत, उसका अपना कम्प्यूटर है :शास्त्री

लीड्स, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ऋषभ पंत के साहसिक और मनोरंजक प्रदर्शन के बाद कहा कि यह आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज आंकड़ों का खेल खूबसूरती से खेलता है और उसके पास अपना कंप्यूटर है जिसे चलाने का तरीका सिर्फ उसे ही पता है। पंत ने दूसरे दिन अपनी अपारंपरिक बल्लेबाजी से हेडिंग्ले के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए मात्र 178 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 134 रन की साहसिक पारी खेली। पैडल स्वीप, शतक के बाद की कलाबाजी, पंत की यादगार पारी में कलात्मकता और पागलपन दोनों ही समान रूप से देखने को मिले। शास्त्री ने कहा, 'पंत आंकड़ों के खेल को खूबसूरती से खेलता है। वह अपने तरीके से खेलता है। वह तेजी से अपने खेल में बदलाव लाने में माहिर है। उसका अपना कम्प्यूटर है और उसे ही पता है कि वह कैसे काम करता है। यह उसका यूएसपी है। इससे गेंदबाज दबाव में आते हैं और वह सुपरहिट हो जाता है। असली मनोरंजन करने वाला और मैच विनर। तीन साल पहले भयानक कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे पंत ने मैदान पर सफल वापसी की। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जमाने के बाद मैदान पर गुलाटी मारने वाले पंत के जश्न के बारे में शास्त्री ने कहा, 'इसका एक कारण है। वह इस मौके के लिए ऊपर वाले को धन्यवाद दे रहा था। उस हादसे से उबरकर वापसी करने का इससे गहरा ताल्लुक है। जब मैने उसे अस्पताल में देखा था तो बहुत अच्छी हालत में

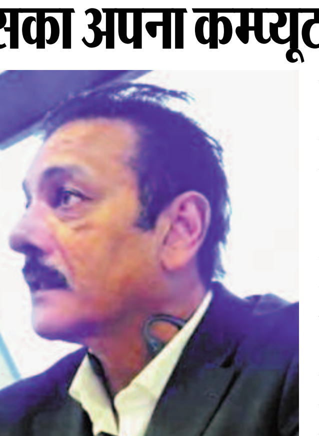

वह नहीं था। घुटने टूटे हुए, हर तरफ चोट ही चोट। सर्रे के पूर्व क्रिकेटर इयान वार्ड ने कमेंट्री के दौरान कहा, 'यह (पंत) बाक्स आफिस है। सबसे मनोरंजक क्रिकेटरों में से एक। यह शतक के बेहतरीन जश्न में से है। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला में मिली हार के दौरान खराब स्कूप शॉट पर विकेट गंवाने वाले पंत के बारे में महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा था, 'स्टुपिड, स्टुपिड, स्टुपिड। लेकिन शनिवार को उन्होंने पंत के शतक के बाद कहा, 'सुपर्ब, सुपर्ब, सुपर्ब।

जो रूट की 28 रन की पारी, तेंदुलकर पर पड़ा भारी; टूट गया सचिन का महारिकॉर्ड और बन गए नंबर 2

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच हेडिंग्ले में हो रहा है और इस मैच की पहली पारी में इंग्लैंड के सबसे खतरनाक बल्लेबाज जो रूट भारत के खिलाफ चल नहीं पाए। पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने उन्हें 28 रन पर आउट किया और वो 10वीं बार टेस्ट क्रिकेट में उनका शिकार बने। जो रूट ने पहली पारी में भले ही 28 रन बनाए हों, लेकिन इस पारी के दम पर ही सचिन तेंदुलकर के महारिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया और उनकी जगह लेते हुए नंबर 1 बल्लेबाज बन गए। जो रूट ने हालांकि शुरुआत काफी अच्छी की थी, लेकिन जब वो 28 के स्कोर पर थे तब बुमराह की एक गेंद पर वो चकमा खा गए और अपना कैच स्लिप में खड़े करुण नायर को थमा दिया।

सचिन को पीछे छोड़ नंबर 1 बने ऋषभ पंत – जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड में भारत के खिलाफ अब तक 1589 रन बनाए हैं और वो अब सचिन तेंदुलकर से आगे निकल गए हैं। सचिन तेंदुलकर इससे पहले भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट मैच में इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे। सचिन ने इंग्लैंड में खेले 17 टेस्ट मैचों में 4 शतक के साथ 1575 रन बनाए थे, लेकिन अब जो रूट 1589 रन बनाकर उनसे आगे निकल

गए हैं। यानी इंग्लैंड की धरती पर भारत-इंग्लैंड टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर अब जो रूट बन गए हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर भारत के राहुल द्रविड़ हैं जिन्होंने इंग्लैंड में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में कुल 1376 रन बनाए थे जबकि चौथे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिएस्टर कुक हैं जिन्होंने 1196 रन भारत के खिलाफ बनाए थे। इसके अलावा इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर सुनील गावस्कर हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में कुल 1152 रन बनाए थे।

माधुरी के शब्दों ने चलाया अंकिता लोखंडे पर जादू

बोलीं- सिर्फ अपने लिए नाचती हूं

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे की अदाकारी से सब वाकिफ हैं। मगर, डांस के मामले में भी वे कम नहीं। आज शनिवार को उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर कर डांस के लिए अपनी दीवानगी जाहिर की है।

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपनी अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। यह उनका प्रोफेशन है। मगर, शौक भी बड़ी चीज है और बात अगर अंकिता के शौक की करें तो उनका मन डांस में रमता है। आज सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने डांस के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की है। साथ ही यह बताया कि इस मामले में माधुरी दीक्षित के शब्द उन पर जादू कर गए हैं।

हर भावना व्यक्त करने का तरीका डांस

अंकिता लोखंडे ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक डांस वीडियो शेयर किया है। वे व्हाइट कलर के आउटफिट पहने मेरे नाम तू गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इसके साथ अंकिता लोखंडे ने लिखा है, जन्म से ही नृत्य मेरी भाषा रही है। ब्रह्मांड से मिला एक उपहार। इसे सीखा नहीं गया, बल्कि महसूस किया गया। यह मेरी हर भावना को व्यक्त करने का तरीका है।

सलमान खान ने किया खुलासा

तेरे नाम का लुक आखिर किससे था प्रेरित

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीजन काफी चर्चा में है। इस नए सीजन के पहले एपिसोड में सलमान खान स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगे। इस वजह से यह एपिसोड टेलिकास्ट होने से पहले ही सुर्खियां बटोर रहा है। मजेदार बातचीत के दौरान सलमान खान ने खुलासा करते हुए कपिल को बताया कि उनकी फिल्म तेरे नाम का लुक असल में किससे प्रेरित था। बता दें कि सलमान खान का तेरे नाम वाला लुक युवा लड़कों के बीच काफी पॉपुलर हुआ था। सलमान खान ने बताया कि उनका हेयरस्टाइल हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित था। सलमान खान ने बताया, ये जो तेरे नाम का लुक है, वो असल में डॉ. अब्दुल कलाम साहब से प्रेरित था। उस वक्त राहुल रॉय का भी ऐसा ही हेयरस्टाइल था। मुझे लगता था कि छोटे शहर के हीरो हमेशा लंबे बाल रखते हैं। पुराने जमाने के हीरो भी लंबे बाल रखते थे, मेरा यह लुक वहां से आया था। एपिसोड के दौरान सलमान ने यह भी बताया कि आमिर खान की गौरी स्प्रैट के साथ नए रिश्ते की वजह क्या है। शो के निर्माताओं ने हाल ही में एक छोटा वीडियो रिलीज किया है, जिसमें कपिल, सलमान से कहते हैं, आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैंस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए। इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते...। इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म प्यार किया तो डरना क्या का हिट गाना ओ ओ जाने जाना गाते हुए नजर आते हैं।

करियर पर पड़ा अदिति की शादी का असर, अभिनेत्री बोलीं- ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में शादी के बाद अभिनेत्रियों का करियर प्रभावित होता है। फिल्मों के ऑफर को लेकर अदिति राव हैदरी की हालिया टिप्पणी भी कुछ यही संकेत दे रही है।

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी वक्त एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

शादी के बाद अभिनेत्रियों के सामने आती हैं चुनौतियां

तेलुगु 123 की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक

बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं।

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में माइलस्टोन के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरमंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

योग से मुझे आज के पल में

जीने की ताकत मिली: संदीपा धर

कई फिल्मों और टीवी शोज का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस संदीपा धर ने अपनी योग यात्रा को अनोखा बताया। खुलासा किया कि कैसे समय के साथ उनका योग के साथ रिश्ता बदलता गया और मजबूत होता गया। संदीपा ने कहा कि पहले उनके लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज था, लेकिन अब यह उनके जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। योग ने उन्हें न केवल शारीरिक रूप से फिट बनाया, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी दिया है। योग से वह खुद से जुड़ पाती हैं। इस बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, करीब दस साल पहले मैंने योग मैट पर कदम रखा था, लेकिन उस समय मेरा मकसद वजन कम करना और फिट रहना था। मैंने पावर योग को चुना क्योंकि यह तेज, असरदार और जल्दी नतीजे देता है। लेकिन उन शुरुआती योगासन से अब के बीच के समय में, योग ने मुझे बहुत कुछ चीजें सिखाई हैं, जो मुझे पता ही नहीं थीं। मैं गलत तरीके से सांस ले रही थी। संदीपा के लिए योग अब सिर्फ शरीर को फिट बनाने का तरीका नहीं रहा। यह उनके लिए एक ऐसा जरिया बन गया है जिससे उन्होंने सांस लेने जैसी सबसे जरूरी और बेसिक चीज को गहनता से सीखा है। योग के जरिए उन्हें खुद को पूरी तरह से वर्तमान पल में जीना सीखने में मदद मिली है। संदीपा ने आगे कहा, यह सुनने में तो बहुत आसान लगता है, है ना? लेकिन आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम सही तरीके से सांस लेना ही भूल गए हैं। योग ने न सिर्फ मेरे शरीर को संतुलन किया है, ब्लकि मुझे मेरी सांस भी वापस दी है।

बॉयफ्रेंड संग एयरपोर्ट पर दिखीं अंजलि अरोड़ा, शादी के सवाल पर टीवी एक्ट्रेस का रिएक्शन वायरल

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें 'लॉकअप' फेम टीवी एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा को अपने बॉयफ्रेंड के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया है। टीवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया स्टार अंजलि अरोड़ा को हाल में एयरपोर्ट पर देखा गया है, जिसमें उन्हें अपने बॉयफ्रेंड के साथ भी देखा जा सकता है। इसके अलावा शादी के सवाल पर उनका रिएक्शन तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अंजिल अरोड़ा को अपना बैग लेकर एयरपोर्ट से बाहर आते देखा जा रहा है। इस वीडियो में टीवी एक्ट्रेस ने सूट पहन रखा है, जिसमें वो प्यारी दिख रही हैं। बाहर आते ही उनके बॉयफ्रेंड आकाश संसनवाल उनका बैग पकड़ लेते हैं और दोनों एक-दूसरे के गले भी मिलते हैं। उसी दौरान एक पैपराजी एक्ट्रेस से सवाल करता है कि वो शादी कब कर रही हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा क्या हो गया आप लोगों को। हालांकि, इस जवाब पर वो खुद हंसने लगती हैं।

नेटिजंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के सामने आते ही यूजर्स प्रतिक्रियाएं देते दिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि अंजलि अरोड़ा ने अपने जीवन बहुत कुछ हासिल कर लिया है और लोग उन्हें बदनाम ही करते रह गए। दूसरे यूजर ने कहा कि वो बहुत सुंदर दिख रही हैं। वहीं एक और यूजर ने मजाक में बोला कि क्या कैप्शन है भाई। इसके अलावा अन्य यूजर ने लिखा कि कच्चा बादाम।

अंजलि अरोड़ा के बारे में

कंगना रणौत के शो लॉकअप से मॉडल, टीवी एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा को काफी पहचान मिली। इसके साथ ही उन्होंने कच्चा बादाम गर्ल बनकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब वो इंटरनेट की एक स्टार बन गई हैं। इसके अलावा उन्होंने कई सॉन्ग भी किए हैं और कुछ फिल्मों में भी काम किया है।

मोहनलाल ने कंफर्म की दृश्यम 3, अक्टूबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल ने इस साल 'एल 2 एम्पुरान' और 'थुडारम' जैसी फिल्में दी हैं। अब मोहनलाल ने अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' की तीसरी कड़ी का भी एलान कर दिया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है।

मोहनलाल ने किया पोस्ट

अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरुआत ब्लैक एंड व्हाइट में मोहनलाल के इंटेंस लुक से होती है। जिसमें उनकी आंख पर केंद्रित किया गया है। इसके बाद स्क्रीन पर लिखकर आता है 'दृश्यम 3'। बाद में वीडियो में मोहनलाल फिल्म के निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुंबवूर के साथ गले मिलते और मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। अंत में लिखकर आता है 'लाइट कैमरा अक्टूबर।' इस वीडियो को शेयर करते हुए मोहनलाल ने कैप्शन में लिखा, 'अक्टूबर 2025 - कैमरा वापस जॉर्जकुट्टी की ओर मुड़ता है।' जिससे स्पष्ट है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी।

पहले दोनों पार्ट हुए हैं हिट

दृश्यम एक सस्पेंस थ्रिलर मर्डर फिल्म है। जिसके दो पार्ट पहले ही आ चुके हैं। साल 2013 में मोहनलाल दृश्यम लेकर आए थे। इसके बाद 2021 में दृश्यम 2 रिलीज हुई थी। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी काफी सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन फिल्मों को सराहा था। अब मोहनलाल फिल्म का तीसरा पार्ट 'दृश्यम 3' लेकर आ रहे हैं। दर्शकों में इस फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

अजय देवगन भी कर चुके हैं 'दृश्यम 3' की घोषणा

मोहनलाल की अब तक आई दोनों ही दृश्यम का हिंदी में भी रीमेक बना है। जिनमें अजय देवगन और तब्बू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। हिंदी में भी इन दोनों ही फिल्मों को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इन दोनों ही फिल्मों ने अच्छी कमाई की।

लाइव परफॉर्मेंस चुनौतीपूर्ण लेकिन मजेदार होती है

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी हाल ही में रिलीज हुए नए गाने बेपरवाई की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्होंने लाइव ऑडियंस के सामने परफॉर्म करने के अनुभव के बारे में बात की है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि लाइव परफॉर्मेंस करते समय उन्हें हमेशा सतर्क रहना पड़ता है, क्योंकि स्टेज पर गाते वक्त एक साथ बहुत सी चीजें होती हैं, जिन पर ध्यान देना पड़ता है। जोनिता गांधी ने कहा, लाइव गाना गाते वक्त बहुत ध्यान और तैयारी की जरूरत होती है, क्योंकि आपको सिर्फ एक ही मौका मिलता है।

स्टेज पर जब आप गाना गाते हैं, तो उसी समय सबकुछ सही करना होता है, इसके लिए कोई दूसरा मौका नहीं मिलता। वहीं, स्टूडियो में गाना रिकॉर्ड करते वक्त आप बार-बार रीटेक ले सकते हैं। अगर कुछ गलती हो जाए या कुछ अच्छा न लगे, तो उसमें सुधार सकते हैं और दोबारा गा सकते हैं। लेकिन, लाइव परफॉर्मेंस में ऐसा नहीं होता, आपको एक ही बार में सबकुछ सही करना होता है और यही बात इस काम को मजेदार और चुनौतीपूर्ण बनाती है।लाइव परफॉर्मेंस में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। सिर्फ गाना ही नहीं, कलाकार को और भी कई चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें खास तरह से दिखना होता है और स्टेज प्रोडक्शन का भी ध्यान रखना पड़ता है। यह सब एक साथ करना मुश्किल होता है।

इन सबसे कलाकार कैसे निपटते हैं? इस सवाल के जवाब में जोनिता ने कहा, जब आप लाइव परफॉर्म करते हैं, तो सिर्फ गाना नहीं होता, साथ में बहुत सारी चीजें होती हैं, जैसे लाइटिंग, कोरियोग्राफी, आउटफिट, चेहरे के एक्सप्रेशन, इन सबका ध्यान रखना होता है। जबकि, स्टूडियो में गाते समय, इन चीजों की जरूरत नहीं होती। वहां आप बस गाना गाते हैं या कुछ नया बनाते हैं। लेकिन, स्टेज पर ये सारी चीजें नहीं होती हैं, इन सब चीजों को एक बोझ की तरह नहीं, बल्कि एक मौका मानना चाहिए।

साभार एजेंसी